डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/ 110/2024-26

R.N.I. NO. RAJHIN/2006/16735 राजस्थान एवं केन्द्र सरकार से विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

रॉयल पत्रिका मंगवाने के लिए संपर्क करें - 9799559096 0141-4982834

रॉयल पत्रिका

प्रशासनिक सेवाओं की तैयारी कैसे करें? और सरकारी नौकरियों की जानकारी के लिए पढ़ें पृष्ठ 5

वर्ष : 21 | अंक : 03 | पेज: 08 | जयपुर, सोमवार, 16 फरवरी से 22 फरवरी 2026 | साप्ताहिक | मूल्य: 7 रुपए

एक कमरे में पाँच कक्षाएं, यह है सरकारी स्कूल का हाल

-स्कूल परिसर बना कचरे का ढेर, शराब की खाली बोतलें देखने को मिलती हैं
-शास्त्री नगर में महात्मा गाँधी कॉलोनी स्थित महात्मा गाँधी राजकीय प्राथमिक विध्यालय की स्थिति बेहाल

जावेद अख्तर

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । जयपुर के शास्त्री नगर क्षेत्र की महात्मा गांधी कॉलोनी में स्थित महात्मा गांधी राजकीय प्राथमिक विद्यालय (कक्षा 1 से 5) की हालत गंभीर और चिंताजनक बनी हुई है। स्कूल परिसर और उसके आस-पास हर तरफ कचरा फैला हुआ है। शराब की खाली बोतलें, टूटे हुए काँच, प्लास्टिक और गंदगी से भरा ग्राउंड बच्चों की सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा बन चुका है। यह स्कूल शिक्षा का मंदिर कम शिक्षा विभाग और स्कूल प्रशासन की लापरवाही का उदाहरण ज्यादा नजर आता है।

नशेड़ियों से बच्चों की सुरक्षा खतरे में-

विद्यालय पहाड़ियों के बीच स्थित है। पहाड़ियों से नशेड़ी और असामाजिक तत्व अक्सर स्कूल परिसर की ओर पत्थर फेंकते हैं। इससे बच्चों और स्टाफ में डर का माहौल बना रहता है। शिकायतों के बावजूद प्रशासन और संबंधित विभागों ने अब तक कोई ठोस सुरक्षा व्यवस्था नहीं की है।

छत टपकने से कक्षाएं प्रभावित रहती-

स्कूल भवन जर्जर हालत में है। टीन शेड की छत से बारिश में पानी टपकता है, जिससे फर्श गीली हो जाती है और फिसलने का खतरा बना रहता है। वहीं गर्मी में टीन शेड तेज़ तपने से कक्षा कक्ष बेहद गर्म हो जाता है, जिससे बच्चों को बैठने और पढ़ने में परेशानी होती है।

सुबह पढ़ाई नहीं सफाई करवाई जाती-

सबसे गंभीर स्थिति यह है कि सुबह जब बच्चे स्कूल पहुंचते हैं, तो उन्हें पढ़ाई से पहले स्कूल परिसर की सफाई करनी पड़ती है। कचरा, टूटे काँच और गंदगी हटाने का काम मासूम बच्चों से कराया जाता है। इससे बच्चों के घायल होने का खतरा हमेशा बना रहता है।

शिक्षकों की कमी से पढ़ाई चौपट-

विद्यालय में तीन शिक्षक पदस्थापित हैं, लेकिन नियमित रूप से केवल एक ही शिक्षक उपस्थित रहती हैं, जबकि दो अन्य बीएलओ ड्यूटी में लगे हैं। स्कूल में केवल दो कक्षा कक्ष है, जिसमें पहली से पाँचवीं तक के सभी बच्चे एक साथ बैठकर पढ़ते हैं। शिक्षकों की कमी के कारण न तो अलग-अलग कक्षाएं संचालित हो पा रही हैं और न ही बच्चों को पढ़ाई का उचित वातावरण मिल पा रहा है।

अनुमति न मिलने से विकास ठप-

विद्यालय परिसर में पर्याप्त जगह होने के बावजूद भवन विस्तार और विकास कार्यों की अनुमति नहीं मिल पाई है। संबंधित विभागों द्वारा आसपास की जमीन को जंगलात भूमि है, जिस कारण स्कूल में अतिरिक्त कक्षों का निर्माण नहीं हो सका। अनुमति के अभाव में वर्षों से विद्यालय में केवल एक ही कक्षा कक्ष है । यह स्कूल जयपुर की हवा महल विधानसभा क्षेत्र में आता है, जहां से हिन्दुत्व का झण्डा उठाये रहने वाले बाबा बालमुकुंद आचार्य विधायक हैं।

हज़रत सैयद मासूम अली शाह र. का उर्स आयोजित

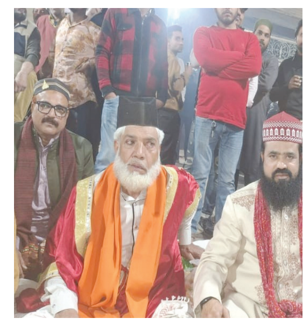

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । हज़रत सैयद मासूम अली शाह रहमतुल्ला अलैह का 3 दिन का उर्स 8 फरवरी नमाजे फ़ज्र कुरआनखानी, बाद नमाज इशा मिलाद शरीफ, 9 फरवरी बाद नमाज-ए-इशा गिलाफ़े चादर पेश हुई व महफिले समा रात रूहानी महफिल हुई । कव्वाली में हाजी टिम्पु गुलफाम (सिकंदर वारसी सरफराज साबरी कादरी कव्वाल, हमीद साबरी व मोहम्मद इस्लामुद्दीन, मोहम्मद अमीन खान चिश्ती साबरी समाजसेवी, शरीफ बाबा अयाज भाई फरीद भाई, रियाज भाई फैसल भाई व सैंकड़ों अक़ीदतमंदों ने उर्स में शिरकत की । कुल की फ़ातेहा व लंगर 10 फरवरी को हुआ व दुआ में भारत शहर व जयपुर के लिये अमन चैन की दुआ की गई । उर्स मस्जिद गोला अंवाजान तोपखाना हुजूरी, जयपुर में होकर उर्स तकमील हुआ । उर्स मुबारक की सदारत सूफी कमालुद्दीन कादरी सज्जादानशीन की सरपरस्ती में हुई ।

देशभक्ति गीतों के साथ पुलवामा हमले के शहीदों को दी श्रद्धांजलि

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। सवाई माधोपुर में रविवार को देशभक्ति और एकता की भावना से ओत-प्रोत माहौल देखने को मिला। समाज में अमन, सुकून, भाईचारे और राष्ट्रवाद की सकारात्मक सोच को बढ़ावा देने वाली टीम वतन फाउंडेशन द्वारा पुलवामा में हुए आतंकी हमले में शहीद हुए वीर जवानों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम का आयोजन रेलवे स्टेशन के सामने किया गया, जहां बड़ी संख्या में युवाओं और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने हाथों में तिरंगा और कैंडल लेकर देशभक्ति गीतों के साथ शहीदों को नमन किया। वातावरण वीर शाहिद अमर रहे 'भारत माता की जय' के नारों से गूंज उठा। उपस्थित लोगों ने दो मिनट का मौन रखकर शहीदों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। ज्ञात हो कि 14 फरवरी 2019 को पुलवामा में हुए आतंकी हमले में 40 से अधिक सीआरपीएफ जवान वीरगति को प्राप्त हुए थे। इस हमले ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया था। इस अवसर पर हुसैन आर्मी ने भावुक शब्दों में कहा कि जब पुलवामा हमला हुआ, उस समय उनकी पोस्टिंग भी जम्मू-कश्मीर में ही थी। उन्होंने बताया कि वह समय बेहद खौफनाक और तनावपूर्ण था। "उस दौर की स्थिति को शब्दों में बयां करना आसान नहीं है। हर जवान के मन में देश की रक्षा का जज्बा था, लेकिन हालात बेहद चुनौतीपूर्ण थे," उन्होंने कहा। टीम वतन फाउंडेशन के सदस्यों ने कहा कि उनका उद्देश्य केवल श्रद्धांजलि देना ही नहीं, बल्कि समाज में भाईचारे और सकारात्मक राष्ट्रवाद का संदेश फैलाना भी है। संस्था पिछले कई वर्षों से राष्ट्रीय पर्वों और विशेष अवसरों पर सामाजिक एकता और देशभक्ति से जुड़े कार्यक्रम आयोजित करती आ रही है। कार्यक्रम में महेश योगी, वकार खान, सोनू खान, विमल पांडे, अमन वाल्मीकि, आशीष मेहरा, मग़रूफ़ खान, सबीना खान, धारा सिंह, विष्णु मीणा, उरूज हुसैन, अली हुसैन आदि ने अंत में संकल्प लिया कि वे देश की एकता, अखंडता और सद्भाव बनाए रखने के लिए निरंतर कार्य करते रहेंगे तथा शहीदों के बलिदान को सदैव याद रखेंगे।

भाजपा अल्पसंख्यक प्रदेश अध्यक्ष के दौरे पर जिला मुख्यालय पर नहीं दिखा स्थानीय नेताओं का जमावड़ा

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। सवाई माधोपुर भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चे के प्रदेश अध्यक्ष हमीद खान मेवाती को भाजपा की और से पुनः प्रदेश अध्यक्ष अल्पसंख्यक मोर्चे के पद पर नियुक्त होने के बाद प्रथम बार सवाई माधोपुर दौरा हुआ। अल्पसंख्यक स्नेह संवाद कार्यक्रम आलनपुर स्थित एक मैरिज गार्डन में रखा गया जिसमें स्थानीय आमंत्रित किए गए अतिथि अनुपस्थित रहे, भाजपा के प्रत्येक कार्यक्रमों में लगने वाला जमावड़ा दिखाई नहीं दिया। जबकि भाजपा में प्रदेश का कोई भी नेता जिला मुख्यालय पर दौरे के लिए आते हैं तो कार्यकर्ताओं का जोश उत्साह जबरदस्त देखने को मिलता है।

हेरिटेज वार्ड 80 में पानी संकट, गंदगी और सीवरेज जाम से लोग परेशान, निगम का झूठा दावा

हरी चौधरी

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर के वार्ड नंबर 80, जो नगर निगम के पुनर्गठन के बाद वार्ड 118–119 में शामिल हो चुका है, में मूलभूत सुविधाओं को लेकर लोगों का आक्रोश बढ़ता जा रहा है। क्षेत्रवासियों का आरोप है कि पिछले एक महीने से कचरा उठान नहीं हुआ। 12–15 दिनों से पानी की सप्लाई ठप है और सीवरेज चैंबर ओवरफ्लो होने से सड़कों पर गंदा पानी बह रहा है। वहीं नगर निगम अधिकारियों का कहना है कि सफाई और जेटिंग का कार्य लगातार कराया जा रहा है।

लेकिन वही मोहम्मद नामक स्थानीय निवासी ने बताया कि कई बार नगर निगम और पार्षद को शिकायत दी गई, लेकिन समाधान नहीं हुआ। उनका कहना है कि "सीधे चौक में कचरा पड़ा है, 15 दिन से पानी नहीं आया। पाइपलाइन टूट गई है। कॉल करने पर अधिकारी आश्वासन देते हैं, पर काम नहीं होता।" क्षेत्र की महिलाओं ने भी पीने के पानी की किल्लत और खुले सीवरेज से बच्चों के गिरने का खतरा बताया। एक अन्य निवासी आकिब अली के अनुसार, "कई बार पार्षद और अधिकारियों के पास गए, लेकिन सुनवाई नहीं हुई। टैंकर और बोरिंग से काम चलाना पड़ रहा है।"

पार्षद पर फोन न उठाने का आरोप-

स्थानीय लोगों ने क्षेत्र के पार्षद पारस जैन पर फोन न उठाने और मौके पर न आने का आरोप लगाया। मीडिया के सामने भी कॉल करने पर फोन रिसीव नहीं हुआ। लोगों का कहना है कि चुनाव के समय ही जनप्रतिनिधि सक्रिय नजर आते हैं।

यह वार्ड आदर्श नगर विधानसभा क्षेत्र में आता है । कोंग्रेसी पार्षद पारस जैन विधायक रफ़ीक़ खान के चहेते बताए जा रहे हैं।

स्कूल के पास गंदगी, बच्चों पर खतरा-

क्षेत्र में एक स्कूल के पास गड्ढों और गंदगी की स्थिति गंभीर बताई गई है। अभिभावकों का कहना है कि बदबू और गंदे पानी से बच्चों के स्वास्थ्य पर खतरा बना हुआ है।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि विधायक निधि से भी अब तक कोई ठोस कार्य नहीं हुआ।

निगम का पक्ष: "पूरी रात चला सफाई अभियान"-

निगम अधिकारियों ने बताया कि पुनर्गठन के बाद यह क्षेत्र वार्ड 119 में आता है। अधिकारियों के अनुसार, "पिछले दो दिनों से रात में मिनी जेटिंग मशीनों से सफाई करवाई गई है। डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण नियमित है। सीवरेज की समस्या के लिए अलग वाहन और सुपर सकर मशीन तैनात की गई है।"

अधिकारियों ने यह भी कहा कि यदि किसी विशेष स्थान पर समस्या है तो क्षेत्रवासी व्यक्तिगत रूप से मिलकर शिकायत दर्ज कराएं, प्राथमिकता से समाधान किया जाएगा।

सवाल बरकरार

जमीन पर बदहाल हालात और अधिकारियों के दावों के बीच सच्चाई क्या है, यह बड़ा सवाल बन गया है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि ऐप और कागजी कार्यवाही से अलग धरातल पर स्थिति गंभीर है। अब देखना यह है कि नगर निगम और जनप्रतिनिधि कब तक इस समस्या का स्थायी समाधान करते हैं।

शब्बीरुल हसन मेमोरियल सोसायटी द्वारा छात्रों का सम्मान किया गया

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । 15 फरवरी रविवार को शब्बीरुल हसन मेमोरियल सोसायटी जयपुर (रजि.) ज़हीरूल हसन क्रिकेट (स्पोर्टस) क्लब व मोहम्मडन स्पोर्टस क्लब जयपुर (रजि.) क्रिकेट संघ जयपुर के संयुक्त तत्वावधान में चल रहे रोशनी ट्यूशन सेन्टर में सैकण्डरी कक्षा (क) के छात्रों का सम्मान किया गया। पिछले चार माह से यह सेन्टर चल रहा है। इसमे छात्रों को विशेष तैयारी कराई गई । जिससे छात्र-छात्रा परीक्षा में अच्छे अंको से उत्तीर्ण है। इस अवसर पर संस्था व क्लब के पदाधिकारी उपस्थित थे। जिसे ताहिर हसन, माहिरुल हसन, सैयद ज़हीरुल हसन, तबस्सुम शहनाज़ खान, तबस्सुम मोईन, रामअवतार शर्मा, अमीन उद्दीन हम्माद हसन, सैयद अली हसन सचिव ज़हीरुल हसन (मोहम्मडन स्पोर्टस क्लब) ने संस्था व क्लब की गतिविधियों की जानकारी दी।

बलाई विकास समिति द्वारा 8 मार्च को होगा महिलाओं का सम्मान समारोह

चौमूं (रॉयल पत्रिका)। शहर के मोरीजा रोड स्थित बलाई समाज सभा-भवन पर बलाई विकास समिति जयपुर (मुख्यालय-चौमूं) के द्वारा 8 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर महिलाओं का सम्मान समारोह आयोजित होगा। समिति के अध्यक्ष एडवोकेट बद्रीनारायण परिहार व महासचिव सुरेन्द्र सिंह हरसोलिया ने बताया कि समाज में विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाली एवं समारोह में आने वाली सभी महिलाओं को सम्मानित किया जाएगा। बद्रीनारायण परिहार व महासचिव सुरेन्द्र सिंह हरसोलिया ने बताया कि समारोह को सफल बनाने को लेकर समाजसेवी सुमन देवी मेहरिया, ओरिएंटल इंश्योरेंस कंपनी जयपुर के सेवानिवृत उप प्रबंधक लालाराम मेहरडा, सनराइज होटल बिलौची मैनेजर गोपीराम मेहरडा को मुख्य संयोजक एवं बैंक शाखा प्रबंधक अल्का बरी, जालसू पंसस. व एससी प्रकोष्ठ जयपुर जिला देहात कांग्रेस सचिव सुनीता वर्मा, सिंगोद खुर्द पूर्व सरपंच विमला देवी सरावता, गोविंदगढ पंसस. व समाजसेवी राधेश्याम खारडिया, समाजसेवी सायरचंद बुनकर, समिति उपाध्यक्ष नाथूलाल बराला, कालूराम सामरिया, एडवोकेट राधेश्याम बुनकर, राजपाल सिंह नारनोलिया, सेडूराम मेदवाल, उपमहासचिव हनुमान सहाय झांटीवाल, उपकोषाध्यक्ष नानगराम लुनीवाल, सचिन सांवरमल छेड़वाल, सदस्य घीसालाल बबेरवाल, तुलसीराम बामनिया को सहसंयोजक बनाया गया है।

30 साल बाद फ़रवरी में रमज़ान, चाँद नज़र आते ही रोज़े शुरू

-फ़रवरी में रमज़ान 2026 की शुरुआत

जावेद अख्तर

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । राजस्थान सहित पूरे देश में साल 2026 का पवित्र माह-ए-रमज़ान 18 या 19 फ़रवरी को चाँद नज़र आते ही शुरू होगा। इस्लामी हिजरी कैलेंडर चाँद के अनुसार चलता है, इसलिए रमज़ान की शुरुआत रूयत-ए-हिलाल पर निर्भर करती है। चाँद दिखते ही पहला रोज़ा रखा जाएगा। लगभग 30 साल बाद ऐसा संयोग बन रहा है जब फ़रवरी में रमज़ान के रोज़े शुरू होंगे।

तैंतीस वर्षों में मौसम परिवर्तन

इस्लामी जानकारों के अनुसार हिजरी साल 354 या 355 दिनों का होता है, जबकि ईस्वी कैलेंडर 365 दिनों का होता है। इसी कारण रमज़ान हर साल लगभग 10–11 दिन पहले आता है और करीब 33 वर्षों में सभी ऋतुओं का एक चक्र पूरा करता है। इस साल रोज़े फ़रवरी में पड़ने से दिन छोटे और तापमान कम रहेगा। फरवरी में दिन छोटे रहते हैं, जिससे रोज़ेदारों को प्यास और थकान से राहत मिलेगी और इबादत में सहूलियत होगी।

रमज़ान का मक़सद और अहमियत

रमज़ान को रहमत, मग़फ़िरत और बरकत का महीना कहा जाता है। माना जाता है कि इसी मुक़द्दस महीने में कुरआन-ए-पाक नाज़िल हुआ। रोज़ा आत्म-नियंत्रण, सब्र और तक़वा की तालीम देता है। सहरी से इफ़्तार तक खाने-पीने और सांसारिक इच्छाओं से दूर रहकर इंसान अपने अंदर अनुशासन और आत्मिक शुद्धता विकसित करता है।

इबादत, तरावीह और तिलावत

रमज़ान में पाँच वक़्त की नमाज़ के साथ तरावीह की नमाज़ का विशेष महत्व होता है। मस्जिदों में हाफ़िज़-ए-कुरआन द्वारा कुरआन शरीफ़ की तिलावत की जाती है। इस महीने में इबादत का सवाब कई गुना बढ़ जाता है और लोग अधिक समय अल्लाह की बंदगी में बिताते हैं।

ज़कात, सदक़ा और आख़िरी अशरा

रमज़ान के दौरान ज़कात और सदक़ा के माध्यम से जरूरतमंदों की मदद करना अहम फर्ज़ माना जाता है। आख़िरी दस रातों में इबादत का खास एहतिमाम किया जाता है। इन्हीं में शब-ए-क़द्र को सबसे अफ़ज़ल रात माना गया है, जिसमें दुआ और इबादत का विशेष महत्व होता है।

ईद-उल-फ़ित्र का पैग़ाम

रमज़ान के इख़्तिताम पर ईद-उल-फ़ित्र मनाई जाती है। यह त्योहार भाईचारे, मोहब्बत और शुक्राने का संदेश देता है। 2026 का रमज़ान जहां मौसम की दृष्टि से राहत देगा, वहीं रूहानी तरक़्क़ी और इबादत का बेहतरीन अवसर भी लेकर आएगा।

सूचना

रॉयल पत्रिका साप्ताहिक में अगले अंकों से वक़्फ़ बोर्ड, वक़्फ़ कमेटियों, मदरसा बोर्ड, मदरसों के संचालन, अल्पसंख्यक कल्याण विभाग की योजनाओं, राजस्थान अल्पसंख्यक आयोग, हज कमेटी, मुस्लिम विधायक, पूर्व विधायक, मुस्लिम क्षेत्रों के विकास, शिक्षा, रोज़गार, मुस्लिम शख्सियत, समाजसेवी, व्यवसायी आदि से संबंधित खबरों को प्रमुखता से प्रकाशित किया जाएगा।

अत: पाठकों एवं अन्य से निवेदन है कि उपरोक्त विषय से जुड़ी जानकारी रॉयल पत्रिका के कार्यालय के पते, E-mail Address-royalpatrika@gmail.com या व्हाट्सएप (8058969180) पर भेजने की मेहरबानी करें।

-संपादक, रॉयल पत्रिका

मजदूर विरोधी नीतियों के खिलाफ श्रम संगठनों ने रैली निकाली

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । मजदूर विरोधी नीतियों एवं नए काले श्रम कानूनो के विरोध में जयपुर के विभिन्न श्रम संगठनों ने संयुक्त रूप से एक विशाल रैली का आयोजन किया जो एचएमएस रेलवे कार्यालय से तैयार होकर श्रम आयुक्त कार्यालय हसनपुरा तक काफी विशाल संख्या में मजदूर किसानों के साथ संपन्न हुई । रैली का नेतृत्व कामरेड डी.के.छंगाणी, कामरेड एम एल यादव, कामरेड कुणाल रावत, कामरेड मुकेश माथुर, कामरेड नरेंद्र आचार्य कॉमरेड कामरेड सुनीता चतुर्वेदी कामरेड निशा सिद्धू, कामरेड नईमुद्दीन आकिल, कामरेड विनोद कुमार ने सभी साथियों के साथ किया । देशभर में मजदूरों, कर्मचारियों, युवाओं एवं आम जनता के अधिकारों की रक्षा हेतु केंद्रीय ट्रेड यूनियनों के आह्वान पर आयोजित राष्ट्रव्यापी आम हड़ताल के तहत गुरुवार को जयपुर में विभिन्न संगठनों द्वारा रैली निकाली और जिलाधीश को ज्ञापन सौंपा गया। ऑल इंडिया ट्रेड यूनियन कांग्रेस (AITUC) के नेतृत्व में दिए गए इस ज्ञापन में केंद्र सरकार द्वारा लागू वेतन संहिता 2019, औद्योगिक संबंध संहिता 2020, सामाजिक सुरक्षा संहिता 2020 तथा व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कार्य स्थिति संहिता 2020 को मजदूर विरोधी बताते हुए इन्हें वापस लेने की मांग की गई। ज्ञापन में कहा गया कि इन नई श्रम संहिताओं से श्रमिकों की नौकरी की सुरक्षा, सामाजिक सुरक्षा तथा ट्रेड यूनियन अधिकारों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। साथ ही सार्वजनिक क्षेत्र के निजीकरण, ठेका प्रथा को बढ़ावा देने तथा रोजगार के अवसरों में कमी को मजदूर वर्ग के हितों के खिलाफ बताया गया।

ज्ञापन के माध्यम से निम्न प्रमुख मांगें रखी गई—

* चारों श्रम संहिताओं को वापस लेकर पूर्व के श्रम कानूनों को पुनः लागू किया जाए।
* सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों का निजीकरण एवं विनिवेश बंद किया जाए।
* ठेका प्रथा एवं आउटसोर्सिंग पर नियंत्रण कर स्थायी रोजगार सुनिश्चित किया जाए।
* न्यूनतम मजदूरी रु. 26,000 प्रति माह निर्धारित की जाए।
* सभी मजदूरों को सामाजिक सुरक्षा, पेंशन एवं ईएसआई सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं।
* बेरोजगार युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराया जाए।
* महंगाई पर नियंत्रण कर आवश्यक वस्तुओं के दाम कम किए जाएं।

इस अवसर पर ज्ञापन सौंपने वालों में कामरेड रमेश शर्मा, कामरेड कुणाल रावत कामरेड डी के छंगाणी, कामरेड नईमुद्दीन आकिल कामरेड विनोद कुमार, अब्दुल कलाम खान, कामरेड मुदब्बीर खान, सहित अन्य कार्यकर्ता शामिल रहे।

मुस्लिम समाज बौंली के अध्यक्ष बने मिर्जा जफर अहमद आमीन, सर्वसम्मति से निर्विरोध चयन

सवाई माधोपुर/बौंली, (रॉयल पत्रिका)। कस्बा बौंली में मदरसा नुरुल इस्लाम, जामा मस्जिद के सामने मुस्लिम समाज की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में समाज के गणमान्य लोगों एवं बड़ी संख्या में सदस्यों ने भाग लिया। बैठक के दौरान सर्वसम्मति से मिर्जा जफर अहमद आमीन (निवासी बौंली) को मुस्लिम समाज बौंली का अध्यक्ष निर्विरोध चुना गया। उनके नाम का प्रस्ताव रखा गया, जिसका उपस्थित सभी सदस्यों ने समर्थन किया। किसी अन्य नाम का प्रस्ताव नहीं आने पर उन्हें सर्वसम्मति से अध्यक्ष घोषित किया गया। इस अवसर पर नवनिर्वाचित अध्यक्ष मिर्जा जफर अहमद आमीन ने समाज के सभी लोगों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे समाज की एकता, शिक्षा, सामाजिक सुधार और आपसी भाईचारे को मजबूत करने के लिए पूर्ण निष्ठा से कार्य करेंगे। बैठक का समापन समाज की उन्नति और आपसी सहयोग के संकल्प के साथ किया गया। उपस्थित लोगों ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष को बधाई देते हुए उज्ज्वल कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं।

दी प्राइम रोज़ पब्लिक स्कूल ने वार्षिक समारोह मनाया

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । जयपुर के पेंटर कॉलोनी, नाहरी का नाका स्थित दी प्राइम रोज़ पब्लिक स्कूल ने अपना वार्षिक समारोह 9 फरवरी सोमवार को शास्त्री नगर के साइंस पार्क में बड़े धूमधाम से मनाया । स्कूल के प्रिंसिपल वकील अहमद ने बताया कि स्कूल के वार्षिक समारोह में बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया गया । स्कूल के समारोह की सभी आए अतिथियों ने सराहा गया।

कुरैशी समाज ने लिया तालीम, इत्तिहाद और लीडरशिप विकास का संकल्प

-बिड़ला ऑडिटोरियम में ऑल इंडिया जमीयतुल कुरैश का अजीमोशान समारोह आयोजित
-समारोह की अध्यक्षता संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सिराजुद्दीन कुरैशी ने की

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । कोई भी काम तब तक तरक्की नहीं कर सकती, जब तक वह शिक्षित ना हो क़ौम में इत्तिहाद, मजबूत लीडरशिप और नई पीढ़ी में जागरूकता बेहद जरूरी है। जो क़ौम अपने अतीत से सबक लेकर अपने मुस्तकबिल को संवारती है वही क़ौम हमेशा जिंदा रहती है। ऑल इंडिया जमीयतुल कुरैश के राष्ट्रीय अध्यक्ष सिराजुद्दीन कुरैशी ने यह बातें जयपुर के बिड़ला ऑडिटोरियम में ऑल इंडिया जमीयतुल कुरैश के 100 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष में आयोजित ऐतिहासिक समारोह में कहीं । समारोह में आए वक्ताओं, डॉक्टर, इंजीनियर, राजनेताओं, व्यवसायियों एवं समाज सेवकों ने एक ही बात पर जोर दिया कि समाज में तालीम, इत्तिहाद और लीडरशिप का विकास बेहद जरूरी है। समारोह में राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष हाजी नईमुद्दीन कुरैशी और संरक्षक छुट्टन कुरैशी ने आपसी मतभेद भुलाकर एक जुटता के साथ प्रगति के रास्ते पर चलने का आव्हान किया। इन्होंने समाज में बिना दहेज की शादी और आसान निकाह को बढ़ाने का भी आव्हान किया।

जमीयतुल कुरैश के यूथ विंग के राष्ट्रीय सचिव इमरान कुरैशी ने कहा कि किसी भी समाज की प्रगति के लिए राजनीतिक जागरूकता बेहद जरूरी है । उन्होंने कहा कि कुरैशी समाज को केवल मतदाता बनकर नहीं, बल्कि नीति निर्धारण की प्रक्रिया में भागीदार बनकर आगे आना होगा । पंचायत से लेकर संसद तक अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए युवाओं को शिक्षित और संगठित होना पड़ेगा।

संगठन के इस शताब्दी समारोह में देशभर से सैंकड़ों शख़्सियतों ने शिरकत करके आयोजन की सफलता में चार चांद लगा दिये। बिड़ला ऑडिटोरियम में आयोजित समारोह में समाज की प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। बिड़ला ऑडिटोरियम में यह प्रोग्राम प्रदेशाध्यक्ष नईमुद्दीन कुरैशी के नेतृत्व में प्रदेश कार्यकारिणी की ओर से आयोजित किया गया।

हम मोहब्बत की दुकान के सेल्समैन, वे नफरत की....... - इमरान प्रतापगढ़ी

-राजस्थान में विकास की बात करनी पड़ेगी - डोटासरा
-राजस्थान प्रदेश कॉंग्रेस अल्पसंख्यक विभाग का पैगाम-ए-मोहब्बत, सद्भावना सम्मेलन आयोजित

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । हम सब हमारे नेता राहुल गांधी की मोहब्बत की दुकान के सेल्समैन हैं और वे नफरत की दुकान के सेल्समैन। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग की ओर से सोमवार को जयपुर के बिड़ला ऑडिटोरियम में आयोजित पैगाम-ए-मोहब्बत सद्भावना सम्मेलन में बोलते हुए अल्पसंख्यक कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं सांसद इमरान प्रतापगढ़ी कांग्रेस कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे। इमरान प्रतापगढ़ी ने कहा कि हमारे नेता राहुल गांधी का कहना है कि डरो मत, हक की बात करो । इमरान प्रतापगढ़ी ने राजस्थान अल्पसंख्यक कॉंग्रेस प्रदेश अध्यक्ष एम डी चोपदार की तारीफ करते हुए कहा कि ऐसे प्रोग्राम की जरूरत थी, जिससे देश में मोहब्बत का पैगाम दिया जा सके । प्रतापगढ़ी का कहना है कि देश बदल रहा है, नफरत की दुकान सिमट रही है। उन्होंने उदाहरण दिया कि दीपक कुमार ने एक मुस्लिम बुजुर्ग की नफरत फैलाने वालों से रक्षा की। आज दीपक कुमार देश का हीरो है। मथुरा में भाजपा नेता के कहने पर एक मुस्लिम शिक्षक को निलंबित कर दिया, उसी स्कूल के गांव के हिंदुओं ने सरकार पर दबाव बनाया और भाजपा सरकार को मुस्लिम शिक्षक का निलंबन वापस लेना पड़ा। इसलिए मैं कह रहा हूं देश बदल रहा है, लोग समझ रहे हैं।

कांग्रेस के राजस्थान अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि यह लोग नफरत फैलाने में माहिर हैं, जबकि प्रदेश में सड़कें टूटी हैं, बजरी माफिया हावी हो रहे हैं । भ्रष्टाचार प्रदेश में चरम पर है। डोटासरा ने कहा कि हम इनको नफरत नहीं फैलाने देंगे। इनको जनकल्याण और विकास की बात करनी पड़ेगी। बाबा साहब ने यह नए संविधान में धर्म-निरपेक्षता की व्यवस्था दी है, जबकि यह लोग सुबह से शाम तक नफरत और बांटने की बात करते हैं।

राजस्थान अल्पसंख्यक विभाग कांग्रेस की ओर से एवं अल्पसंख्यक विभाग के अध्यक्ष एम डी चोपदार के नेतृत्व में बिरला ऑडिटोरियम में आयोजित पैगाम-ए-मोहब्बत सद्भावना सम्मेलन के इस प्रोग्राम की इमरान प्रतापगढ़ी, गोविंद सिंह डोटासरा सहित सभी कांग्रेस नेताओं ने प्रशंसा की। इस अवसर पर बोलते हुए प्रदेश अध्यक्ष एम डी चोपदार ने कहा कि देश मोहब्बत से चलेगा, नफरत देश के लिए घातक है। ये लोग किसी को नहीं छोड़ने वाले हैं। ये लोग सनातन के सबसे बड़े संत शंकराचार्य से भी शंकराचार्य होने के सबूत मांग रहे हैं। एक दिन ये लोग भगवान से भी सबूत मांगेंगे कि आप भगवान कैसे हो, सबूत दिखाओ । अल्पसंख्यक कांग्रेस के अध्यक्ष ने कहा कि अल्पसंख्यक कांग्रेस के कार्यकर्ता निकाय चुनावों में इतनी मेहनत करेंगे कि भाजपा का सफाया हो जाएगा।

हमारी सरकार उच्च शिक्षा को और अधिक रोजगारपरक बनाने के लिए प्रतिबद्ध - भजनलाल शर्मा

जयपुर(रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि आधुनिक शिक्षा प्रणाली में नवाचार, तकनीक एवं भारतीय ज्ञान परंपरा को बढ़ावा दिया जाए, जिससे युवाओं का रोजगार प्राप्ति के साथ ही चरित्र निर्माण भी हो। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार उच्च शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने तथा युवाओं को और अधिक रोजगारपरक बनाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने शिक्षकों से आह्वान किया कि वे युवाओं की ऊर्जा एवं क्षमताओं का उपयोग राष्ट्र निर्माण में करने के लिए अपनी महती भूमिका निभाएं। शर्मा सोमवार को राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर (आरआईसी) में अखिल भारतीय संस्थागत नेतृत्व समागम-2026 के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हमें ऐसी शिक्षा चाहिए जो परंपरा और आधुनिकता का सुंदर संगम हो। जहां वेदों के ज्ञान के साथ कृत्रिम बुद्धिमत्ता की समझ हो, संस्कृत के श्लोकों के साथ कोडिंग की भाषा हो तथा योग और ध्यान के साथ रोबोटिक्स और नैनो टेक्नोलॉजी हो। उन्होंने कहा कि इस समागम की थीम 'अंतर-संस्थागत विकास पर संवाद' अत्यंत प्रासंगिक है। आईआईटी, केंद्रीय विश्वविद्यालय, राज्य विश्वविद्यालय, शोध संस्थान और निजी शिक्षण संस्थाओं के मिलकर काम करने से धरातल पर वास्तविक बदलाव लाया जा सकता है।

विकसित भारत 2047 के लक्ष्य प्राप्ति में युवाओं की भूमिका अहम-

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत आज विश्व का सबसे युवा देश है। 65 प्रतिशत से अधिक जनसंख्या 35 वर्ष से कम आयु की है। यह जनसांख्यिकीय हमारी सबसे बड़ी ताकत है। युवाओं को सही शिक्षा, कौशल और मार्गदर्शन देकर इस ताकत का उपयोग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत 2047 के लक्ष्य की प्राप्ति के लिए करें। उन्होंने कहा कि आज हमारे युवा स्टार्टअप्स, अनुसंधान, खेल, कला सहित विभिन्न क्षेत्रों में देश का गौरव विश्व में बढ़ा रहे हैं। हमें उनकी रचनात्मकता को पंख देते हुए उनके सपनों को साकार करने के लिए मार्ग दिखाना है, जिससे वे वैश्विक नागरिक रहते हुए अपनी जड़ों से जुड़े रहे।

हमारी सरकार उच्च शिक्षा में डिजिटल बुनियादी ढांचे को निरंतर कर रही मजबूत-

शर्मा ने कहा कि प्रदेश में हमारी सरकार उच्च शिक्षा में डिजिटल बुनियादी ढांचे को मजबूत करने तथा अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। हमारी सरकार युवाओं को शिक्षा के साथ साथ रोजगार के भरपूर अवसर प्रदान कर रही है। अब तक 1 लाख से अधिक सरकारी पदों पर नियुक्तियां दी जा चुकी हैं और 1 लाख 54 हजार से अधिक पदों पर भर्ती प्रक्रिया चल रही है। इस वर्ष के लिए 1 लाख सरकारी पदों की भर्ती का कैलेंडर जारी किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने 2 लाख से अधिक युवाओं को निजी क्षेत्र में रोजगार, साढ़े 3 लाख छात्रों को कौशल प्रशिक्षण तथा 2 लाख से अधिक युवाओं को इंटर्नशिप दी गई है।

मुस्लिम परिवार ने मंदिर के लिए दान कर दी 80 लाख की जमीन

-आपसी भाईचारे की नई मिसाल पेश की

मोहाली । जब सांप्रदायिकता की आवाजें समाज को बांटने की कोशिश करती हैं, तब भारत की धरती से निकलने वाली ऐसी खबरें इंसानियत और आपसी भाईचारे की नई मिसाल पेश करती हैं । पंजाब के संगरूर में हिंदू परिवार द्वारा मस्जिद के लिए जमीन दान करने के बाद अब मोहाली जिले के झामपुर गांव में एक मुस्लिम परिवार ने मंदिर निर्माण के लिए अपनी कीमती जमीन दान कर हिंदू-मुस्लिम एकता का मजबूत संदेश दिया है। पंजाब के मोहाली जिले के झामपुर गांव में मोहम्मद इमरान उर्फ हैप्पी मलिक नामक मुस्लिम कारोबारी ने लगभग 80 लाख रुपये कीमत की 325 वर्ग गज जमीन मंदिर निर्माण के लिए दान कर दी है। खास बात यह है कि उन्होंने सिर्फ जमीन ही नहीं दी, बल्कि मंदिर निर्माण का पूरा खर्च उठाने का भी फैसला किया है । स्थानीय हिंदू निवासियों ने बताया था कि गांव में धार्मिक स्थल बनाने के लिए कोई खाली जमीन उपलब्ध नहीं थी, क्योंकि बढ़ती आबादी के चलते ज्यादातर जगहों पर पहले ही निर्माण हो चुका था। 12 फरवरी गुरुवार को आयोजित कार्यक्रम में पंजाब के शाही इमाम मौलाना मोहम्मद उस्मान रहमान लुधियानवी मौजूद रहे। इस दौरान इमरान ने मंदिर कमेटी के सदस्य राजाराम को रजिस्ट्री के दस्तावेज औपचारिक रूप से सौंपे । हवन यज्ञ के बाद मंदिर निर्माण का काम भी शुरू कर दिया गया । यहां हनुमान जी का मंदिर और सनातन धर्म मंदिर बनाया जाएगा । योजना के मुताबिक, तीन मरले जमीन पर हनुमान जी मंदिर और दस मरले जमीन पर सनातन धर्म मंदिर का निर्माण होगा । शाही इमाम ने इस मौके पर कहा कि पंजाब की धरती से निकलने वाला यह संदेश पूरे देश के लिए अमृत जैसा है और आपसी भाईचारे की मिसाल पेश करता है । उन्होंने बताया कि गांव में मंदिर के लिए जमीन नहीं मिल रही थी, जिसके बाद पंडित राजाराम ने इमरान से संपर्क किया। मौलाना लुधियानवी के मुताबिक, इमरान ने खुद आगे आकर जमीन दान करने की इच्छा जताई और कहा कि यदि इससे हिंदू भाइयों को फायदा मिलता है तो इससे बड़ी खुशी और क्या हो सकती है । मंदिर कमेटी सदस्य राजाराम ने इस पहल को समुदाय के लिए खुशी का पल बताया और कहा कि उनका सपना इमरान और शाही इमाम की वजह से पूरा हो रहा है । उन्होंने झामपुर गांव के लोगों का भी धन्यवाद किया, जो हर समय एक-दूसरे के साथ खड़े रहते हैं। राजाराम ने कहा कि यहां कोई खुद को हिंदू, मुस्लिम, सिख या ईसाई के रूप में अलग नहीं देखता, बल्कि सब भाईचारे के साथ रहते हैं । मंदिर से जुड़े एक अन्य अधिकारी ने कहा कि लोग अपने घरों और आस्थाओं के आधार पर पहचान रखते हैं, लेकिन जब समाज के रूप में साथ खड़े होते हैं तो सबसे पहले इंसान होते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि मंदिर के लिए जमीन देने का साहस किसी अन्य ने नहीं दिखाया, बल्कि हैप्पी मलिक ने आगे आकर यह पहल की। मोहम्मद इमरान ने बताया कि बचपन से उनका सपना रहा है कि लोगों की जरूरतों को पूरा करने में योगदान दें। उनका लक्ष्य भविष्य में अस्पताल खोलना है ताकि गरीबों को इलाज मिल सके । उन्होंने कहा कि जब उन्होंने मस्जिद बनवाई तो यह संदेश नहीं देना चाहते थे कि वे सिर्फ मुस्लिम होने के कारण ऐसा कर रहे हैं, इसलिए बाद में चर्च भी बनवाया और अब मंदिर निर्माण का निर्णय लिया है। उनके दोस्त संजय जिंदल भी मंदिर निर्माण में सहयोग करेंगे।

दी बार एसोसिएशन वक्फ के पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित

-समारोह के मुख्य अतिथि न्यायाधिपति मनीष शर्मा थे

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । दी बार एसोसिएशन वक़्फ़ जयपुर के शपथ ग्रहण व एडवोकेट शेड के उद्घाटन में माननीय न्यायाधिपति मनीष शर्मा, राजस्थान उच्च न्यायालय, पीठ जयपुर मुख्य अतिथि, कार्यक्रम की अध्यक्षता अनुपमा राजीव बिजलानी जिला एवं सत्र न्यायाधीश, चैयरमेन राजस्थान वक्फ अधिकरण जयपुर, विशिष्ट अतिथि रफीक खान विधायक आदर्श नगर जयपुर, डॉ. खानू खान बुधवाली चैयरमेन राजस्थान बोर्ड ऑफ मुस्लिम वक़्फ़ जयपुर, सीनियर एडवोकेट सैयद शाहिद हसन, पूर्व चेयरमैन/ मेंबर बार कौंसिल ऑफ राजस्थान, मेंबर राजस्थान बोर्ड ऑफ मुस्लिम वक्फ, राजेन्द्र सोगरवाल एडवोकेट अध्यक्ष, दीपेश शर्मा एडवोकेट महासचिव राजस्थान हाईकोर्ट एडवोकेट बार एसोसिएशन जयपुर, सोमेश शर्मा एडवोकेट अध्यक्ष, उमेश चौधरी एडवोकेट महासचिव, दी बार एसोसिएशन जयपुर, संदीप शर्मा एडवोकेट अध्यक्ष, मनोज वर्मा एडवोकेट महासचिव, डिस्ट्रिक्ट एडवोकेट बार एसोसिएशन जयपुर शमीम कुरेशी, मेंबर राजस्थान वक्फ अधिकरण, बड़ी संख्या में दी बार एसोसिएशन जयपुर के पूर्व अध्यक्ष व महासचिव सीनियर कैलाश नाथ भट्ट एडवोकट, योगेन्द्र सिंह तंवर एडवोकेट पूर्व अध्यक्ष दी बार एसोसिएशन जयपुर तथा सैकड़ों की संख्या मंल वकील उपस्थित रहे। इस अवसर पर वक्फ बोर्ड कार्यालय में मुख्य अतिथि न्यायाधिपति मनीष शर्मा ने एडवोकेट शेड का रिबन काटकर व शिलालेख पट्टी का अनावरण कर उद्घाटन, चुनाव कमेटी सुनील माथुर एडवोकेट, अंसार अहमद एडवोकेट, अहमद सत्तार एडवोकेट द्वारा विधिवत रूप से वन बार वन वोट के नियम व सर्वोच्च न्यायालय व उच्च न्यायालय राजस्थान तथा बार कौंसिल ऑफ राजस्थान के आदेश व परिपत्रों की अनुपालना में हुये चुनाव प्रक्रिया अपनाते हुये अब्दुल वाहिद नकवी एडवोकेट को अध्यक्ष तथा मोहम्मद असलम खान एडवोकेट को महासचिव, इकरामुल्लाह खान एडवोकेट व वसीम खान एडवोकेट को उपाध्यक्ष, नौशाद कुरैशी को संयुक्त सचिव व अन्य पदाधिकारी व 12 सदस्य कार्यकारिणी को निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया । मुख्य अतिथि ने समस्त पदाधिकारी व कार्यकारिणी को शपथ दिलाई गयी । इस अवसर पर दी बार एसोसिएशन वक्फ जयपुर की समस्त कार्यकारिणी द्वारा डॉ. खानू खान बुधवाली, रफीक खान, सैय्यद शाहिद हसन सहाब व समस्त वक्फ बोर्ड का वकीलों के लिये वक्फ बोर्ड में जगह देने का तहेदिल से शुक्रिया अदा किया।

मोहतरमा अनुपमा राजीव बिजलानी द्वारा न्यायालय में सरकार द्वारा सुविधा उपलब्ध न करने तथा स्टेनो भी न्यायालय में उपलब्ध नही होने एवं 13 पद सृजित होते हुए केवल 4 पद पर ही वर्तमान में सरकार द्वारा नियुक्ति दे रखी है जिस वजह से अधिकरण का न्यायिक कार्य बाधित हो रहा है, आदि समस्याओं से अवगत कराया । न्यायाधिपति मनीष शर्मा ने कहा कि जिन लोगों ने अपनी सम्पत्ति जनकल्याणकारी कार्य के लिये वक्फ की उनका उद्देश्य वर्तमान में पूरा नही हो पा रहा है। वर्तमान में वक्फ सम्पत्तियों पर अतिक्रमण व अवैध कब्जों के तहत जनकल्याण के कार्य नहीं हो पा रहे हैं। मिसाल के तहत वक्फ सम्पत्ति 70 रुपए पर मूल किराये पर है और उस किरायेदार द्वारा सब लेट 70 हजार में कर वक्फ जायदाद का दुरुपयोग किया जा रहा है। रफीक खान विधायक आदर्श नगर जयपुर द्वारा एडवोकेट शेड के विकास हेतु अपने विधायक कोष से 20 लाख रुपए देने की घोषणा की गयी। दी बार एसोसिएशन वक्फ जयपुर के सीनियर उपाध्यक्ष इकरामुल्लाह खान एडवोकेट का न्यायाधिपति मनीष शर्मा द्वारा वकीलों की सेवा के लिये साफा व माला पहनाकर तथा मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया । शपथग्रहण समारोह के बाद सभी वकीलों ने चूरमा दाल बाटी का डिनर सौहार्दपूर्ण वातावरण में समारोह का आनंद लिया गया।

कश्मीर मूल की कौन हैं शबाना महमूद बन सकती हैं यूके की पहली मुस्लिम पीएम

नई दिल्ली (एजेंसी)। एपस्टीन फाइल्स के खुलासे ने दुनिया भर में अजीब से हलचल पैदा कर दी है । कई उद्योगपतियों से लेकर नेताओं के नाम सामने आने के बाद से सियासी फेरबदल भी देखने को मिल रहा है । इसका असर यूनाइटेड किंगडम यानी यूके की सियासत में भी नजर आ रहा है। यूके के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर की कुर्सी गिरने की कगार पर है।

ऐसे में वेस्टमिंस्टर में चर्चा जोरों पर है कि स्टारमर के बाद अगला प्रधानमंत्री यूके का कौन है? हालांकि, सभी का फोकस वहां की गृह सचिव शबाना महमूद पर हो गया है । अगर ऐसा होता है, तो यूके को ऐसा पहला प्रधानमंत्री मिल जाएगा, जो मुस्लिम समुदाय से आता है । शबाना महमूद को लेबर पार्टी की तरफ से मुख्य दावेदार माना जा रहा है।

कौन हैं शबाना महमूद?

45 साल की उम्र की दहलीज पर खड़ी शबाना महमूद एक वकील और राजनेता हैं । वह स्टारमर की प्रमुख सहयोगी हैं। उन्हें पार्टी में एक प्रभावशाली वक्ता और दक्षिणपंथी गुट के एक महत्वपूर्ण नेता के रूप में जाना जाता है । बर्मिंघम में जन्मीं शबाना के माता पिता का नाम जुबैदा और महमूद अहमद है । उनकी जड़ें पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर के मीरपुर शहर से जुड़ी हैं। 2025 में उन्हें गृह-मंत्रालय में शामिल किया गया था। फिलहाल वह यूके की बॉर्डर सिक्योरिटी मैनेजमेंट का काम देखती हैं । उन्होंने साल 2002 में लिंकन कॉलेज, ऑक्सफोर्ड से कानून की डिग्री हासिल की थी। इसके अगले साल इनस ऑफ कोर्ट स्कूल ऑफ लॉ के बार वोकेशनल कोर्स किया था। फिर वह प्रोफेशनल तौर पर

बैरिस्टर बनीं थीं। 2010 में वह सांसद चुनी गईं।

और कौन-कौन से नेता प्रधानमंत्री पद की रेस में शामिल

शबाना के अलावा प्रधानमंत्री पद की रेस में पूर्व उपप्रधानमंत्री एंजेला रेनर का नाम भी शामिल है । इनके अलावा वेस स्ट्रीटिंग का नाम है, जो एक स्वास्थ्य सचिव हैं । साथ ही मीडिया से जुड़े हैं । एड मिलिबैंड जो उर्जा सचिव और लेबर पार्टी के पूर्व नेता रह चुके हैं । ग्रेटर मैनचेस्टर के मेयर एंडी बर्नहैम भी प्रधानमंत्री पद के दावेदारों में बताए जा रहे हैं।

क्या है एपस्टीन फाइल्स से जुड़ा मामला, क्यों खतरे में स्टारमर की कुर्सी

दरअसल, एपस्टीन फाइल्स के खुलासे के बाद से स्टारमर का प्रधानमंत्री पद संकट में है । स्टारमर ने पीटर मैंडेलसन को अमेरिका में यूके का राजदूत बनाया था। हाल ही में एपस्टीन फाइल में जेफरी एपस्टीन के साथ मैंडेलसन के रिश्ते उजागर हुए हैं। इसने यूके की सत्तारुढ़ पार्टी के भीतर कोहराम मचा दिया है । वहीं, मामला और गंभीर हो गया है, क्योंकि स्टारमर के सबसे करीबी सहयोगी और चीफ ऑफ स्टाफ मॉर्गन मैक्सवीनी ने भी मैंडेलसन की नियुक्ति की जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा दे दिया है।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय...

बांग्लादेश में अब धर्म के नाम पर अन्याय का दौरा खत्म हो गया है

बांग्लादेश नेशनल पार्टी सुप्रीमो तारिक रहमान ने कहा है कि नए बांग्लादेश में अब धर्म के नाम पर अन्याय का दौर खत्म हो गया है। लोकतंत्र की बहाली के लिए सभी ने संघर्ष किया है। बीएनपी ने बांग्लादेश के आम चुनावों में भारी जीत दर्ज की है। बीएनपी के सुप्रीमो तारिक़ रहमान ने शनिवार को मीडिया से बात करते हुए भारत से संबंधों पर कहा कि देश की जनता के हित सर्वोपरि है। इसे ध्यान में रखते हुए हम विदेश नीति तय करेंगे। वर्तमान में भारत बांग्लादेश के आपसी रिश्तों में दूरियां बढ़ी हैं। इसका मुख्य कारण भारत और बांग्लादेश दोनों में ही धर्म की पहल करने वाली सरकार है। प्रधानमंत्री शेख हसीना के समय और उससे पहले भारत और बांग्लादेश के रिश्ते काफी मजबूत हुआ करते थे। शेख हसीना को बांग्लादेश में अपदस्थ कर दिया गया और शेख हसीना को भाग कर भारत में शरण लेनी पड़ी। बांग्लादेश में बनी कार्यकारी सरकार के समय बांग्लादेश में धार्मिक अल्पसंख्यकों पर अत्याचार बढ़ गए। बांग्लादेश भारत को छोड़ चीन और पाकिस्तान की गोदी में बैठ गया। भारत की मोदी सरकार की भी नीति बांग्लादेश के प्रति पहले जैसी नहीं रही। यही कारण है कि भारत और बांग्लादेश के रिश्ते खराब होते गए। भारत में भी बांग्लादेश के खिलाड़ियों का भी विरोध होने लगा और फिर बांग्लादेश सरकार ने अपनी क्रिकेट टीम को भारत में खेलने नहीं भेजा। फिलहाल भारत और बांग्लादेश के आपसी रिश्ते अच्छे नहीं है। लेकिन सरकार बनाने जा रही बीएनपी पार्टी के सुप्रीमो तारिक रहमान ने प्रधानमंत्री की शपथ लेने से पहले कहा कि बांग्लादेश में अब धर्म के आधार पर अन्याय और अत्याचारों का दौर खत्म हो गया है। बांग्लादेश में अब नया दौर शुरू हो गया है। बांग्लादेश में अब जनता के कल्याण और नया बांग्लादेश बनाने के लिए नीति बनाई जाएगी। तारिक रहमान बांग्लादेश आम चुनाव से मात्र दो महीने पहले लंदन से बांग्लादेश पहुंचे थे और बांग्लादेश नेशनल लिस्ट पार्टी (बीएनपी) का नेतृत्व किया। तारिक रहमान के नेतृत्व में बीएनपी ने बांग्लादेश के आम चुनावों में दो तिहाई से ज्यादा बहुमत प्राप्त किया है। तारिक रहमान बांग्लादेश के पूर्व राष्ट्रपति ज़िया उर्रहमान और तीन बार की प्रधानमंत्री खालिदा जिया के बड़े बेटे हैं। 2025 में 17 साल के निर्वासन के बाद तारिक रहमान लंदन से बांग्लादेश पहुंचे हैं। 30 दिसंबर को उनकी मां खालिदा ज़िया का इंतकाल हो गया। खालिदा की मौत के बाद रहमान को बीएनपी चीफ चुना गया और वह चुनाव में कूद गए। तारिक रहमान बीते 17 साल से बांग्लादेश से बाहर थे। लेकिन एक समय में ढाका में काफी चर्चित रहे हैं। अपनी मां खालिदा ज़िया के 2001 से 2006 के शासनकाल के लिए उन्हें डार्क प्रिंस कहा गया है। तब भले ही खालिदा ज़िया प्रधानमंत्री थी, लेकिन असली ताकत रहमान के पास थी। इस दौरान रहमान पर भ्रष्टाचार के बहुत आरोप लगे थे। तारिक रहमान के खिलाफ बांग्लादेश में भ्रष्टाचार एवं हमले के मुकदमे चल रहे हैं। तारिक रहमान पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के धुर विरोधी है। बीएनपी सरकार भारत से शेख हसीना को बांग्लादेश को सौंपने की मांग कर सकती है। यदि भारत ने शेख हसीना को बांग्लादेश को नहीं सौंपा तो फिर बांग्लादेश और भारत के बीच रिश्ते और तलख हो सकते हैं। बीएनपी पार्टी वर्तमान में भारत से अच्छे संबंधों की पहल नहीं करती दिखाई दे रही है। बीएनपी पार्टी के सुप्रीमो और बांग्लादेश के होने वाले प्रधानमंत्री तारिक रहमान की विदेश नीति क्या होगी, अभी कहना जल्दी होगा। लेकिन यह तय माना जा रहा है कि बांग्लादेश और भारत के बीच रिश्ते पहले जैसे कायम होना मुश्किल है।

अल्तमस कबीर – देश के 39वें मुख्य न्यायाधीश

अल्तमस कबीर एक भारतीय वकील और न्यायाधीश थे, जिन्होंने भारत के 39वें मुख्य न्यायाधीश के रूप में कार्य किया। अल्तमस कबीर का जन्म 19 जुलाई 1948 को कलकत्ता में फरीदपुर जिले (अब बांग्लादेश में) के एक बंगाली मुस्लिम परिवार में हुआ था। उन्होंने दार्जिलिंग के माउंट हर्मन स्कूल और कलकत्ता बॉयज़ स्कूल में शिक्षा प्राप्त की। सामाजिक मुद्दों और उनके समाधानों पर उनके एक तर्कपूर्ण लेख से प्रभावित होकर, कलकत्ता बॉयज़ स्कूल के एक शिक्षक ने उन्हें कानून में करियर बनाने की सलाह दी। प्रेसिडेंसी कॉलेज (जो उस समय कलकत्ता विश्वविद्यालय से संबद्ध था) से इतिहास में स्नातक होने के बाद, उन्होंने कलकत्ता विश्वविद्यालय, कोलकाता में कानून की पढ़ाई की। उनके पिता जहांगीर कबीर, पश्चिम बंगाल के एक प्रमुख कांग्रेसी राजनेता और ट्रेड यूनियन नेता थे, जिन्होंने बी.सी. रॉय और पी.सी. सेन की सरकारों में मंत्री के रूप में कार्य किया और 1967 में पश्चिम बंगाल की पहली गैर-कांग्रेसी सरकार में भी मंत्री बने, जब अजय कुमार मुखर्जी पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री थे।

कलकत्ता विश्वविद्यालय से एम.ए. और एलएलबी की उपाधि प्राप्त करने के बाद कबीर 1973 में बार में शामिल हुए और कोलकाता में जिला न्यायालय और कलकत्ता उच्च न्यायालय, कोलकाता में दीवानी और आपराधिक कानून का अभ्यास किया। उन्हें 6 अगस्त 1990 को कलकत्ता उच्च न्यायालय का स्थायी न्यायाधीश बनाया गया। कबीर को 11 जनवरी 2005 को कलकत्ता उच्च न्यायालय के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश के पद पर नियुक्त किया गया। वे 11 जनवरी 2005 को कलकत्ता उच्च न्यायालय के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश बने और 1 मार्च 2005 को झारखंड उच्च न्यायालय के स्थायी मुख्य न्यायाधीश के रूप में पदोन्नत होने तक वहां कार्यरत रहे।

उन्हें 9 सितंबर 2005 को भारत के सर्वोच्च न्यायालय में न्यायमूर्ति के रूप में पदोन्नत किया गया। 29 सितंबर 2012 को वे भारत के 39वें मुख्य न्यायाधीश बने। मुख्य न्यायाधीश के रूप में नौ महीने से कुछ अधिक के कार्यकाल के बाद, वे 18 जुलाई 2013 को सेवानिवृत्त हो गए। अपने सर्वोच्च न्यायालय के कार्यकाल के दौरान, कबीर ने 362 फैसले लिखे और 698 पीठों में बैठे। मुख्य न्यायाधीश के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान, वे पश्चिम बंगाल राष्ट्रीय विधि विज्ञान विश्वविद्यालय के कुलाधिपति, गुजरात राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय की सामान्य परिषद के अध्यक्ष और भारत के राष्ट्रीय विधि विद्यालय विश्वविद्यालय के विजिटर थे।

सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान कबीर ने कई महत्वपूर्ण फैसले दिए, विशेष रूप से मानवाधिकार और चुनाव कानूनों के संबंध में। उनके द्वारा अध्यक्षता किए गए सबसे महत्वपूर्ण मामलों में से एक 2011 में अमरावती जिले की संध्या मनोज वानखेड़े का मामला था। इस मामले में, न्यायमूर्ति कबीर और सिरियाक जोसेफ की पीठ ने फैसला सुनाया कि पति की महिला रिश्तेदारों पर भी घरेलू हिंसा अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया जा सकता है। कबीर ने प्रमुख अधिवक्ता और (अब भंग हो चुकी) टीम अन्ना के सदस्य प्रशांत भूषण के खिलाफ अवमानना मामले की भी अध्यक्षता की, जब उन्होंने आरोप लगाया कि हाल के 16 मुख्य न्यायाधीशों में से आधे भ्रष्ट थे।

8 मई 2012 को अल्तमस कबीर और रंजना देसाई की पीठ ने सरकार को 2022 तक हज सब्सिडी समाप्त करने का आदेश दिया।

19 अक्टूबर 2012 को कबीर ने पत्रकार सैयद मोहम्मद अहमद काज़मी को ज़मानत दी, जिन्हें एक इजराईली दूतावास के वाहन विस्फोट में कथित संलिप्तता के आरोप में गिरफ्तार किया गया था, जिसमें एक इजराईली राजनयिक की पत्नी घायल हो गई थीं। आदेश सुनाते हुए कबीर ने कहा, "हम मुख्य महानगर मजिस्ट्रेट द्वारा अपनाई गई प्रक्रिया को समझ नहीं पा रहे हैं, जिसे उच्च न्यायालय ने अनुमोदित किया है और हमारा मानना है कि अपीलकर्ता (काज़मी) ने 17 जुलाई 2012 को वैधानिक ज़मानत प्राप्त करने का अधिकार प्राप्त कर लिया था, जब अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश द्वारा उनकी हिरासत को अवैध घोषित किया गया था।"

2016 में, अरुणाचल प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और राजनेता कालिको पुल ने आत्महत्या नोट में दावा किया कि कबीर ने राज्य में सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) घोटाले के संबंध में गलत निर्णय दिए थे। अल्तमस कबीर की 19 फरवरी 2017 को मृत्यु हुई।

हज़रत हसन बसरी र.अ.

हज़रत हसन अल बसरी इस्लामी इतिहास की पहली पीढ़ी (ताबेईन) में सबसे प्रमुख धार्मिक व्यक्तित्वों में से एक थे। वह एक विद्वान, उपदेशक, न्यायाधीश और सूफ़ी आंदोलन के प्रारंभिक संत के रूप में जाने जाते हैं। प्राचीन मुस्लिम साधकों में हसन अल बसरी सर्वाधिक लोकप्रिय हैं। उन्होंने भारतीय साधुओं की तरह अपने जीवन में संन्यास को ही अधिक महत्व दिया था और दूसरे सूफी संतों की तरह रहस्यवाद को कम। वह सुन्दर, गोरे और नीली आँखों वाले बताए जाते हैं। हसन बसरी अपने गंभीर और संयमित स्वभाव के लिए जाने जाते थे।

इनका जन्म मदीना में सन् 643 ई. 21 वीं हिजरी में हुआ था और मृत्यु (5 रजब 110 हिजरी) अक्टूबर 728 ईस्वीं में बसरा में हुई थी। उनकी मज़ार बसरा में है।

हसन अल बसरी की मां ख़ैरा, हजरत मुहम्मद सल्लल्लाहोअलैहवसल्लम की पत्नी हज़रत आयशा सिद्दीका र. अ. की परिचारिका (दासी)थीं। इनके पिता, पेरोज़, एक फ़ारसी दास थे जो दक्षिणी इराक़ से थे। हसन बसरी वास्तव में धनी थे और बसरा में हीरे-जवाहरात का व्यवसाय करने वाले जौहरी थे लेकिन व्यवसाय छोड़कर उन्होंने अपने लिए एक कष्टमय जीवन की राह चुनी। उनका पालन-पोषण मदीना में पैगंबर साहब के कुछ सहाबा (साथियों) के आसपास हुआ और उन्होंने ख़लीफ़ा हज़रत उमर और हज़रत अली से आशीर्वाद व ज्ञान प्राप्त किया। यह भी कहा जाता है कि उन्होंने चौथे खलीफा हजरत अली से संन्यास की दीक्षा ली थी।उन्होंने कुरान, हदीस, धर्मशास्त्र (फ़िक़्ह) और अरबी भाषा की शिक्षा मदीना और बसरा में पैगंबर साहब के कई सहाबा से प्राप्त की। युवावस्था में उन्होंने पूर्वी ईरान के सैन्य अभियानों में भाग लिया। लगभग 657 ई. में वह बसरा चले गए, जहाँ उन्होंने एक उपदेशक और शिक्षक के रूप में ख्याति प्राप्त की। बसरा में बसे इसलिए उन्हें "अल-बसरी" कहा जाता है। वह बहुत अच्छे कानून दां और कवि भी थे। उनकी वाणी का लोगों पर बहुत प्रभाव पड़ता था। फरीदुद्दीन अत्तार ने उनके बारे में लिखा है कि वह बिल्कुल एकांत में रहते थे और किसी से भी उनकी कोई चाह नहीं थी। किसी ने भी उन्हें कभी हंसते हुए नहीं देखा था। वह अत्यंत त्यागी और भगवत्प्रेमी थे।उनके शिष्यों में सूफी भी थे और कट्टर मुसलमान भी। वह परमात्मा को सर्वातीत मानते थे, फिर भी उनका कहना था कि आत्मशुद्धि के द्वारा उसे पाया जा सकता है। अपने साथ रहने वाले एक फकीर सैयद जुबैर से उन्होंने एक बार कहा था कि संसार में तीन चीजों से हमेशा बचना चाहिए - 1. भूलकर भी सुल्तानों से संपर्क न रखें 2. किसी भी स्त्री के साथ एकांत में न रहें 3. किसी की बातों पर कान न दें।

हज़रत हसन बसरी (रह०) फरमाते हैं कि मुझे मेरी जिंदगी में चार वाकिआत बोहोत अजीब लगे तो लोगों ने पूछा हज़रत वो कौन से वाक्यात है आप ने वाक्या फरमाया ?

(1) पहला वाक्या

-एक नौजवान के हाथ में चिराग था तो मैंने नौजवान से सवाल किया कि ये रोशनी कहाँ से आई तो जैसे ही मैंने ये पूछा

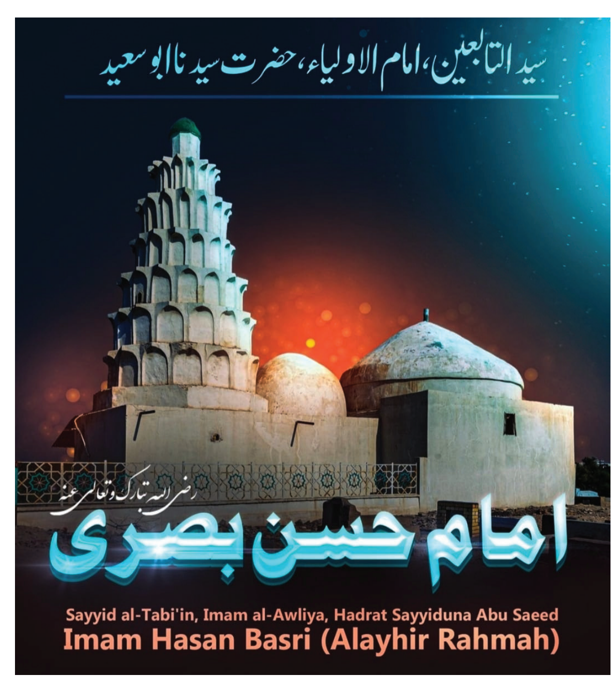

कि ये रोशनी कहाँ से आई तो उस नौजवान ने फॉरन फूंक मारकर चिराग बुझा दिया और कहने लगा हज़रत जहाँ चली गई वहीं से आई थी।

आप ने फरमाया कि मैं उस नौजवान की हाज़िर जवाबी पर आज तक हैरान हूँ !

(2) दूसरा वाक्या

i-एक बार दस बारह साल की एक लड़की आ रही थी उसकी बात ने मुझे हैरान कर दिया। बारिश हुई थी, मैं मस्जिद जा रहा था और वो बाज़ार से कोई चीज़ लेकर आ रही थी। जब ज़रा मेरे क़रीब आई तो मैंने कहा कि बच्ची ज़रा संभल कर क़दम उठाना, कहीं फिसल न जाना। जब मैंने ये कहा तो उसने आगे से जवाब दिया हज़रत मैं फिसल गई तो मुझे नुकसान होगा, आप जरा संभलकर कदम उठाना अगर आप फिसल गए तो कौम का क्या बनेगा ?

कहने लगे उस लड़की की बात मुझे आज तक याद है। उस लड़की ने कहा था कि आप संभलकर कदम उठाना अगर आप फिसल गए तो कौम का क्या बनेगा ?

(3) तीसरा वाक्या

-एक बार मैंने एक हीजड़े को देखा। जब उसे पता चल गया कि मैंने उसे पहचान लिया है तो मुझसे वो कहने लगा कि मेरा राज़ न खोलना अल्लाह तआला कयामत के दिन तुम्हारे राज़ों पर पर्दा डालेंगे।

(4) चौथा वाक्या

-एक आदमी नमाज़ पढ़ रहा था। उसके सामने से एक औरत रोती हुई खुले चेहरे, खुले सर के साथ उसके आगे से गुज़री जब उसने सलाम फेरा तो उस औरत पर बड़ा नाराज़ हुआ कि मैं नमाज़ पढ़ रहा था, तुझे शर्म नहीं आई तुझे ध्यान नहीं नंगे सर खुले चेहरे के साथ मेरे सामने से गुज़र गई औरत ने पहले तो माफी मांगी और फिर माफी मांगकर कहने लगी देखो मेरे मियाँ ने मुझे तलाक दे दी है ,और मैं उस वक्त गमज़दा थी, मुझे पता न चला कि आप नमाज़ पढ़ रहे हैं या नहीं। मैं इस हालत में आपके सामने से गुज़र गई मगर मैं हैरान इस बात पर हूँ कि तुम अल्लाह की मुहब्बत में कैसे गिरफ्तार हो कि खड़े हो परवरदिगार के सामने और देख मेरा चेहरा रहे हो। हसन बसरी रह० फ़रमाते हैं कि उस औरत की ये बात मुझे आज तक याद है।

सन् 684-704 ई. के दौरान हसन बसरी र अ की उपदेशक गतिविधियाँ चरम पर थीं। उनके उपदेश दुनियावी लालसा और भौतिकवाद के खिलाफ थे और उमय्या शासकों की आलोचना करते थे।इराक के क्रूर गवर्नर अल-हज्जाज की नीतियों की सार्वजनिक आलोचना के कारण उन्हें 705-714 ई. के बीच छिपकर रहना पड़ा। उन्होंने ख़लीफ़ा उमर बिन अब्दुल अज़ीज़ के शासनकाल में बसरा के न्यायाधीश (काज़ी) के रूप में भी काम किया।

हसन बसरी की शिक्षाओं का केंद्र दुनिया से बेरुख़ी और ईश्वर पर पूर्ण भरोसा था।

उनकी प्रमुख शिक्षाएं :-

• दुनिया की नश्वरता: वह कहते थे कि दुनिया धोखेबाज है, "एक साँप की तरह, छूने में चिकनी लेकिन उसका ज़हर घातक है।"

* ईश्वर का भय और प्रेम: उनके अनुसार सच्चा मुसलमान न केवल पाप से बचे, बल्कि मृत्यु की निश्चितता और परलोक में अपने भाग्य की अनिश्चितता से उत्पन्न स्थायी चिंता में रहे। साथ ही, उन्होंने ईश्वर के प्रेम और ज्ञान की भी बात की।

* कर्म की स्वतंत्रता: ईश्वरीय नियति (क़दर) के बारे में बहस में, उन्होंने यह स्थिति ली कि मनुष्य अपने कर्मों के लिए पूर्णतः जिम्मेदार है, न कि ईश्वर।

* आत्म-निरीक्षण: धार्मिक आत्म-निरीक्षण (मुहासबा) पर जोर देते हुए, उन्होंने बुराई से बचने और अच्छे कर्म करने को प्रोत्साहित किया।

* सरल जीवन: उनका मानना था कि सांसारिक बंधनों को त्यागे बिना ईश्वर की प्राप्ति संभव नहीं। सच्चा वैराग्य केवल ईश्वर के लिए होना चाहिए, स्वर्ग पाने की आशा से नहीं।

हसन अल बसरी की प्रसिद्ध उक्तियाँ:

* "हे आदम की संतान, तुम कुछ दिनों से अधिक नहीं हो। जब भी एक दिन बीतता है, तुम्हारा एक हिस्सा चला जाता है।"

* "बुद्धिमान वह है जो ऐसा कोई काम नहीं करता जिससे उस (परलोक के) संसार को पाने में बाधा हो।"

* "इस संसार के प्रलोभनों में फंसकर उस दूसरे संसार को न बिगाड़ो।"

* दुनिया और आखिरात की तुलना पूर्व और पश्चिम से करते हुए कहा: "जितना तुम एक के करीब जाओगे, उतना ही दूसरे से दूर हो जाओगे।"

हज़रत हसन अल बसरी र अ की शख्सियत इस्लामिक दुनिया में ख़ास मरतबा रखती है।इनकी तालिमात से आज भी दुनिया फ़ैज़ हासिल कर रही है।

-फ़ज़लुर्रहमान

हज़रत उमर बिन अब्दुल अज़ीज़ का आखिरी वक़्त

हज़रत उमर बिन अब्दुल अज़ीज़ उन खुलफ़ा-ए-इस्लाम में से हैं, जिनका दर्जा खुलफ़ा-ए-राशिदीन के बाद तसव्वुर किया जाता है। आपका दौर-ए-हुकूमत इलाहिया का सच्चा नमूना था, जिसका तमाम-तर-दस्तूर किताबुल्लाह और सुन्नते रसूल अल्लाह की रोशनी में तैयार किया गया था। आपने सरमायादारी और जागीरदारी खत्म करके पूरी मुमलिकते इस्लामिया को एक बागे इरम (जन्नत) बना दिया था। जिसमें कि हर इंसान बगैर मज़हब और कौमी फर्क के पूरे सुकून, इत्मीनान और खुशहाली के साथ जिंदगी बसर करते थे। लेकिन इस खूबसूरत इंतज़ाम और मख़लूक़ की खिदमत करने वाले खलीफा का जब आखिरी वक्त आया तो अल्लाह के खौफ व डर से लरज़ने लगे। हज़रत उमर बिन अब्दुल अज़ीज़ को आपके दुश्मनों के एक लौंडी के जरिए ज़हर दिलवा दिया था। जब आपका आखिरी वक़्त आया तो ज़ारों कतार (फूट-फूट कर) रोने लगे। आपके एक मुसाहिब ने अर्ज़ किया "आपकी जिंदगी हमेशा दुनियावी बुराइयों से पाक रही है। आपने हर ज़ुल्म करने वाले के हाथ को रोका है और मज़लूम की मदद की है। आपने कभी अपनी ज़रूरत से ज्यादा बैतूलमाल से एक हब्बा नहीं लिया, फिर आप इतनी फिक्र क्यों कर रहे हैं" ? हज़रत उमर बिन अब्दुल अज़ीज़ नज़वाब ने जवाब दिया कि "यह सच है कि मैंने मखलूके खुदा की खिदमत की है और अपने फराइज़ को पूरी तरह महसूस किया है। लेकिन मैं समझता हूं कि जिस रोज़ खिलाफत के लिए मुझे चुना गया था मैं रोज़ हलाक कर दिया गया था। इस ढाई साल की मुद्दत में न जाने कितने लोगों को फ़ाकाकशी (भूख) का सामना करना पड़ा होगा और कितने लोगों के साथ मेर इल्म के बगैर इंसाफ नहीं हुआ होगा और न जाने कितने मज़लूमों की आहों को पूरा इंसाफ नहीं दिया होगा। इन सबका मुझको जवाब देह होना होगा। मैं डरता हूं कि अपने परवर दिगार के सामने कैसे जा सकूंगा "। यह फरमाने के बाद आप रोते-रोते बेहोश हो गए। यहां तक कि आपकी रूह जिस्मे खाकी से आज़ाद हो गई और आपका इंतकाल हो गया।

इस वाकिये से अंदाज़ा लगाया जा सकता है कि इस्लाम ने कैसे-कैसे फर्ज़ शनास पैदा किए हैं कि वोह पूरी तरह मख़लूक़ की खिदमत अंजाम देने के बावजूद भी आखिरी वक़्त में इताबे इलाही (अल्लाह के गज़ब) से कितना डर महसूस करते थे। (दीन दुनिया)

-हबीबुल्लाह एडवोकेट, जवाहर नगर, जयपुर

शौर्य, बलिदान और राष्ट्र रक्षा की प्रतीक भारतीय सेना

भारतीय सेना दिवस हर वर्ष 15 जनवरी को मनाया जाता है, जो देश की आजादी के बाद सैन्य नेतृत्व के पूर्ण भारतीयकरण का प्रतीक है। इस दिन फील्ड मार्शल के.एम. करियप्पा को याद किया जाता है, जिन्होंने 1949 में सेना की कमान संभाली थी। यह दिवस सेना के जवानों के अदम्य साहस, अनुशासन और राष्ट्रसेवा को समर्पित है।

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

भारतीय सेना की जड़ें ईस्ट इंडिया कंपनी के समय की सेनाओं में हैं, जो बाद में ब्रिटिश इंडियन आर्मी बनी। 1947 में स्वतंत्रता के बाद इसे राष्ट्रीय सेना का रूप दिया गया। 15 जनवरी 1949 को जनरल के.एम. करियप्पा ने जनरल सर फ्रांसिस बुचर से कमान संभाली, जो आजाद भारत के पहले भारतीय कमांडर-इन-चीफ बने। बाद में उन्हें फील्ड मार्शल का सम्मान मिला। यह घटना ब्रिटिश सैन्य प्रभुत्व के अंत और स्वदेशी नेतृत्व की शुरुआत का प्रतीक बनी। सेना दिवस इसी ऐतिहासिक पल को चिह्नित करता है, जब भारत ने अपनी रक्षा व्यवस्था पर पूर्ण नियंत्रण स्थापित किया। करियप्पा का जन्म 1899 में हुआ था और उन्होंने प्रथम विश्व युद्ध से लेकर स्वतंत्रता के बाद के संघर्षों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनकी नियुक्ति ने सेना में भारतीयकरण की प्रक्रिया को तेज किया। भारतीय सेना दुनिया की सबसे बड़ी स्वैच्छिक सेनाओं में से एक है, जिसमें लगभग 12 लाख सक्रिय जवान हैं। यह संख्या के साथ-साथ गुणवत्ता में भी श्रेष्ठ है, जो आधुनिक हथियारों और स्वदेशी तकनीक से लैस है। आज के दौर में आत्मनिर्भर भारत और मेक इन इंडिया अभियानों के तहत सेना स्वदेशी हथियारों जैसे अर्जुन टैंक, तेजस विमान और ब्रह्मोस मिसाइलों से मजबूत हो रही है। भारतीय सेना ने स्वतंत्रता के बाद कई युद्धों और अभियानों में अपनी वीरता सिद्ध की है। 1947-48 के कश्मीर युद्ध में सेना ने पाकिस्तानी घुसपैठियों को रोका। 1962 के

चीन युद्ध, 1965 और 1971 के पाकिस्तान युद्धों में निर्णायक भूमिका निभाई, खासकर 1971 में बांग्लादेश मुक्ति का नेतृत्व किया। 1999 के कारगिल युद्ध में ऊंचाई वाली चोटियों पर दुश्मन को खदेड़ा। आतंकवाद विरोधी अभियानों में जम्मू-कश्मीर और उत्तर-पूर्व में शांति स्थापना की। संयुक्त राष्ट्र के शांति मिशनों में 2.5 लाख से अधिक सैनिकों ने भाग लिया, जो विश्व रिकॉर्ड है। प्राकृतिक आपदाओं जैसे 2013 उत्तराखंड बाढ़, 2020 गलवान संघर्ष में भी सेना ने मानवता की मिसाल कायम की। 1971 युद्ध: 93,000 पाकिस्तानी सैनिकों का आत्मसमर्पण। ऑपरेशन ब्लू स्टार (1984): आंतरिक सुरक्षा में भूमिका। सर्जिकल स्ट्राइक (2016): आतंकी ठिकानों पर हमला। सेना दिवस मुख्य रूप से दिल्ली के करियप्पा परेड ग्राउंड पर मनाया जाता है। राष्ट्रपति मुख्य अतिथि होते हैं, जहां सैन्य परेड, टैंक प्रदर्शन, हेलीकॉप्टर शो और शौर्य प्रदर्शन होते हैं। विभिन्न रेजिमेंट्स जैसे राजपूताना राइफल्स, गोरखा राइफल्स अपनी परंपराओं का प्रदर्शन करती हैं। विक्टोरिया क्रॉस और अशोक चक्र जैसे सम्मान वीरांगनाओं को दिए जाते हैं। देशभर के स्कूलों, कॉलेजों में कार्यक्रम आयोजित होते हैं। आर्मी गुडविल मिशन के तहत चिकित्सा शिविर और जागरूकता अभियान चलाए जाते हैं। भारतीय सेना की संरचना भारतीय सेना आठ कमांडों— उत्तरी, पश्चिमी, दक्षिणी, पूर्वी, मध्य, दक्षिण-पश्चिमी, प्रशासनिक और आर्मी ट्रेनिंग कमांड में विभाजित है। इसमें इन्फेंट्री, आर्टिलरी, आर्मर्ड कोर, इंजीनियर्स और सिग्नल कोर शामिल हैं। रेजिमेंट्स जैसे मराठा लाइट इन्फेंट्री, सिख रेजिमेंट अपनी अनूठी पहचान रखती हैं। महिलाओं की भूमिका बढ़ रही है, जो अब फाइटर पायलट और कमांडो बन रही हैं। सेना का मोटो "जय हिंद" और "सर्विस बिफोर सेल्फ" है। यह न केवल रक्षा करती है, बल्कि सीमा सड़क संगठन (BRO) के माध्यम से बुनियादी ढांचा विकसित करती है।

चुनौतियां और भविष्य

सेना को सीमा विवाद, आतंकवाद, साइबर हमलों जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। चीन और पाकिस्तान से तनाव के बीच आधुनिकीकरण जरूरी है। स्वदेशी उत्पादन बढ़ाकर आयात कम किया जा रहा है। अगले दशक में ड्रोन, AI और मिसाइल डिफेंस सिस्टम पर फोकस है।आगामी समय में युवा पीढ़ी को प्रेरित कर देश मजबूत बनेगा। राष्ट्र के प्रति समर्पण भारतीय सेना केवल हथियारों का समूह नहीं, बल्कि राष्ट्रहित का प्रतीक है। हर जवान "देश की नींद की रखवाली" करता है। सेना दिवस पर संकल्प लें कि हम उनके योगदान को कभी न भूलें।

बैंक ऑफ बड़ौदा में 441 पदों पर भर्ती

बैंक ऑफ बड़ौदा यानी BOB ने आईटी प्रोफेशनल्स की भर्ती का नोटिफिकेशन जारी किया है। इस भर्ती अभियान के तहत 418 पद रेगुलर और 23 पद कॉन्ट्रैक्ट बेसिस पर भरे जाएंगे। फीस जमा करने की आखिरी तारीख 19 फरवरी, 2026 तय की गई है।

आवेदन शुरू :
30 जनवरी से 19 फरवरी 2026 तक

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
कंप्यूटर साइंस, सूचना प्रौद्योगिकी या इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन से फुल-टाइम बीई/बीटेक/एमई/एमटेक/एमसीए की डिग्री।

एज लिमिट :
आयु सीमा 1 जनवरी, 2026 के अनुसार तय की गई है।

रेगुलर पोस्ट :
न्यूनतम : 22 वर्ष
अधिकतम : 32 से 37 वर्ष (पद के अनुसार)

कॉन्ट्रैक्चुअल पोस्ट :
न्यूनतम : 25 वर्ष
अधिकतम : 40 वर्ष

जरूरी एक्सपीरियंस :
जूनियर पदों के लिए : कम से कम 1 साल का अनुभव।
सीनियर पदों के लिए : 5 साल तक का अनुभव।

सिलेक्शन प्रोसेस :
ऑनलाइन टेस्ट
शॉर्टलिस्टिंग
साइकोमेट्रिक टेस्ट
पर्सनल इंटरव्यू
क्रेडिट हिस्ट्री वेरिफिकेशन

फीस :
जनरल, ईडब्ल्यूएस, ओबीसी : 850 रुपए
एससी, एसटी, पीडब्ल्यूडी, ईएसएम, डीईएसएम, महिलाएं : 175 रुपए

सैलरी :
पद के अनुसार 48,480 - 85,920 रुपए प्रतिमाह

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट bankofbaroda.in पर जाएं।
अब 'Recruitment of Local Bank Officer 2025' लिंक चुनें।
नया पेज खुलने पर 'Current openings' टैब पर क्लिक करें।
यहां अप्लाई ऑनलाइन लिंक पर क्लिक करें।
रजिस्ट्रेशन करके फॉर्म भरें।
फीस का भुगतान करें।
फॉर्म सब्मिट करें। इसका प्रिंटआउट निकाल कर रखें।

रेलवे में 22,000 पदों पर रजिस्ट्रेशन के लिए आवेदन की तारीख बढ़ी

रेलवे भर्ती बोर्ड ने ग्रुप-डी लेवल-1 भर्ती की संशोधित तारीख जारी कर दी है। 22,000 पदों पर रजिस्ट्रेशन 21 जनवरी से शुरू होने वाला था, जिसे 31 जनवरी तक के लिए बढ़ा दिया गया है। उम्मीदवार 31 जनवरी 2025 से ऑफिशियल वेबसाइट rrbapply.gov.in पर जाकर अप्लाई कर सकेंगे।

आवेदन शुरू :
31 जनवरी से 02 मार्च 2026 तक

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
10वीं पास या NCVT द्वारा मान्यता प्राप्त संस्थान से नेशनल अप्रेंटिसशिप सर्टिफिकेट प्राप्त किया हो।

शारीरिक योग्यता :
पुरुष :
35 किलोग्राम वजन को उठाकर बिना नीचे रखे 2 मिनट 100 मीटर तक चलना
4 मिनट और 15 सेकेंड में 1000 मीटर दौड़ना।
महिला :
20 किलोग्राम वजन को उठाकर बिना नीचे रखे 2 मिनट 100 मीटर तक चलना।
5 मिनट और 40 सेकेंड में 1000 मीटर दौड़ना।

एज लिमिट :
न्यूनतम : 18 साल
अधिकतम : 36 साल

फीस :
जनरल, ओबीसी, ईडब्ल्यूएस : 500 रुपए
एससी, एसटी, ईबीसी, महिला, ट्रांसजेंडर : 250 रुपए

सिलेक्शन प्रोसेस :
कंप्यूटर बेस्ड टेस्ट
फिजिकल एफिशिएंसी टेस्ट
डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन
मेडिकल एग्जाम

सैलरी :
22,500 - 25,380 रुपए प्रतिमाह

कट ऑफ :
सामान्य : 40
ईडब्ल्यूएस : 40
ओबीसी (नॉन क्रीमी लेयर) : 30
एससी, एसटी : 30

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट rrbapply.gov.in पर जाएं।
होमपेज पर अप्लाई ऑनलाइन के लिंक पर क्लिक करें।
न्यू रजिस्ट्रेशन लिंक पर क्लिक करके मांगी गई डिटेल्स दर्ज करें।
रजिस्ट्रेशन होने के बाद लॉग इन करें।
फीस (यदि लागू हो) जमा करें।
फॉर्म का प्रिंटआउट निकाल कर रखें।

प्रशासनिक सेवाओं की तैयारी के लिए महत्वपूर्ण प्रश्न

(पिछले अंक से जारी) (रणनीति)

101. 'गदर पार्टी' की स्थापना कहाँ हुई थी?
(A) लंदन (B) सान फ्रांसिस्को
(C) पेरिस (D) दिल्ली
उत्तर: (B)
व्याख्या: गदर पार्टी की स्थापना 1913 ई. में सान फ्रांसिस्को (अमेरिका) में हुई थी।

102. 'होम रूल आंदोलन' किसने प्रारंभ किया?
(A) महात्मा गांधी
(B) बाल गंगाधर तिलक और एनी बेसेंट
(C) गोखले (D) नेहरू
उत्तर: (B)
व्याख्या: तिलक और एनी बेसेंट ने 1916 ई. में होम रूल आंदोलन प्रारंभ किया।

103. 'लखनऊ समझौता' कब हुआ?
(A) 1915 ई. (B) 1916 ई.
(C) 1918 ई. (D) 1920 ई.
उत्तर: (B)
व्याख्या: 1916 ई. में कांग्रेस और मुस्लिम लीग के बीच लखनऊ समझौता हुआ।

104. 'रॉलेट एक्ट' कब पारित किया गया?
(A) 1917 ई. (B) 1918 ई.
(C) 1919 ई. (D) 1920 ई.
उत्तर: (C)
व्याख्या: 1919 ई. में रॉलेट एक्ट पारित किया गया, जिससे बिना मुकदमे के गिरफ्तारी की अनुमति मिलती थी।

105. जलियांवाला बाग हत्याकांड कब हुआ?
(A) 1918 ई. (B) 1919 ई.
(C) 1920 ई. (D) 1921 ई.
उत्तर: (B)
व्याख्या: 13 अप्रैल 1919 को जनरल डायर ने अमृतसर के जलियांवाला बाग में निहत्थे लोगों पर गोली चलवाई।

106. असहयोग आंदोलन कब आरंभ हुआ था?
(A) 1918 ई. (B) 1919 ई.
(C) 1920 ई. (D) 1922 ई.
उत्तर: (C)
व्याख्या: महात्मा गांधी ने 1920 ई. में असहयोग आंदोलन प्रारंभ किया, जिसका उद्देश्य अंग्रेजी शासन का बहिष्कार था।

107. असहयोग आंदोलन क्यों वापस लिया गया था?
(A) असफलता के कारण
(B) चौराचौरी कांड के कारण
(C) कांग्रेस में मतभेद
(D) ब्रिटिश दमन के कारण
उत्तर: (B)
व्याख्या: 1922 में चौराचौरी (गोरखपुर) की हिंसा के बाद गांधीजी ने आंदोलन वापस ले लिया।

108. 'सविनय अवज्ञा आंदोलन' कब आरंभ हुआ?
(A) 1929 ई. (B) 1930 ई.
(C) 1931 ई. (D) 1935 ई.
उत्तर: (B)
व्याख्या: 12 मार्च 1930 को गांधीजी ने दांडी यात्रा के साथ सविनय अवज्ञा आंदोलन आरंभ किया।

109. गांधीजी ने नमक सत्याग्रह कहाँ से प्रारंभ किया था?
(A) अहमदनगर
(B) साबरमती आश्रम
(C) वाराणसी (D) बंबई
उत्तर: (B)
व्याख्या: गांधीजी ने 12 मार्च 1930 को साबरमती आश्रम से दांडी तक यात्रा की।

110. गांधी-इरविन समझौता कब हुआ?
(A) 1929 ई. (B) 1930 ई.
(C) 1931 ई. (D) 1932 ई.
उत्तर: (C)
व्याख्या: मार्च 1931 में गांधीजी और लॉर्ड इरविन के बीच समझौता हुआ, जिसके तहत गांधीजी ने द्वितीय गोलमेज सम्मेलन में भाग लिया।

111. द्वितीय गोलमेज सम्मेलन कब हुआ था?
(A) 1930 ई. (B) 1931 ई.
(C) 1932 ई. (D) 1935 ई.
उत्तर: (B)
व्याख्या: द्वितीय गोलमेज सम्मेलन 1931 में लंदन में हुआ, जिसमें गांधीजी ने कांग्रेस का प्रतिनिधित्व किया।

112. 'भारत छोड़ो आंदोलन' कब प्रारंभ हुआ?
(A) 1940 ई. (B) 1941 ई.
(C) 1942 ई. (D) 1943 ई.
उत्तर: (C)
व्याख्या: 8 अगस्त 1942 को मुंबई के 'गवालिया टैंक मैदान' में कांग्रेस ने "भारत छोड़ो" आंदोलन का प्रस्ताव पारित किया।

113. 'करो या मरो' का नारा किसने दिया था?
(A) सुभाषचंद्र बोस
(B) जवाहरलाल नेहरू
(C) महात्मा गांधी (D) पटेल
उत्तर: (C)
व्याख्या: महात्मा गांधी ने 1942 में भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान "करो या मरो" का नारा दिया।

114. 'आजाद हिंद फौज' की स्थापना किसने की?
(A) भगत सिंह (B) सुभाषचंद्र बोस
(C) चंद्रशेखर आजाद (D) राजगुरु
उत्तर: (B)
व्याख्या: सुभाषचंद्र बोस ने 1943 में सिंगापुर में आजाद हिंद फौज का गठन किया।

115. 'दिल्ली चलो' का नारा किसने दिया था?
(A) गांधी (B) नेहरू
(C) सुभाषचंद्र बोस (D) पटेल
उत्तर: (C)
व्याख्या: सुभाषचंद्र बोस ने आज़ादी की लड़ाई के दौरान "दिल्ली चलो" का नारा दिया।

-डॉ. एम . ए. खान
प्रोफेसर (भूगोल

इंडियन आर्मी में अग्निवीर भर्ती 2026 के लिए आवेदन शुरू

इंडियन आर्मी की ओर से अग्निवीर भर्ती 2025 के लिए आज से आवेदन प्रक्रिया की शुरुआत की गई है। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट joinindianarmy.nic.in पर जाकर अप्लाई कर सकते हैं। अग्निपथ स्कीम के तहत चयनित अग्निवीरों की सेवा अवधि चार वर्ष होगी। चार साल बाद 75% अग्निवीरों को सेवा से मुक्त कर दिया जाएगा। जबकि 25% को स्थायी नियुक्ति दी जाएगी। अग्निवीर परीक्षा 1 से 15 जून 2026 को आयोजित की जाएगी।

आवेदन शुरू :
13 फरवरी से 01 अप्रैल 2026 तक

एज लिमिट :
अग्निवीर जीडी/टेक्निकल/असिस्टेंट/ट्रेड्समैन : 17.5 से 22 साल
सोल्जर टेक्निकल: 17.5 से 23 वर्ष
सिपाही फार्मा: 19-25 वर्ष
JCO धार्मिक टीचर: 25-24 साल।
आयुसीमा की गणना 1 जुलाई 2027 के आधार पर की जाएगी।

सिलेक्शन प्रोसेस :
फिजिकल टेस्ट
मेडिकल एग्जाम
मेरिट लिस्ट जारी

सैलरी :
पहले वर्ष 30 हजार रुपए सैलरी मिलेगी, जो चौथे साल तक बढ़कर 40 हजार रुपए हो जाएगी। वेतन का 30% हिस्सा सेवा निधि में जमा होगा, जिसमें सरकार भी समान राशि जोड़ेगी। चार साल बाद करीब 11.71 लाख रुपये का सेवा निधि पैकेज (ब्याज सहित) मिलेगा।

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट www.joinindianarmy.nic.in पर जाएं।
होम पेज पर दिए गए JCO/OR/Agniveer / Apply/ Login पर क्लिक करें।
रजिस्ट्रेशन के बाद यूजर आईडी और पासवर्ड की मदद से लॉग इन करें।
अपना फोटो और सिग्नेचर अपलोड करें।
मांगी गई डिटेल्स दर्ज करें।
फीस जमा करके फॉर्म सब्मिट करें।
इसका प्रिंटआउट लेकर रखें।

पंजाब नेशनल बैंक में 5138 पदों पर निकली भर्ती

पंजाब नेशनल बैंक (PNB) ने अप्रेंटिस के पदों पर भर्ती निकाली है। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट pnb.bank.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। यह भर्ती एक साल के लिए की जाएगी।

आवेदन शुरू :
08 फरवरी से 24 फरवरी 2026 तक

स्टाइपेंड :
मेट्रो सिटीज : 15,000 रुपए प्रति माह
अन्य शहर, गांव : 12,300 रुपए प्रति माह

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
मान्यता प्राप्त इंस्टीट्यूट/कॉलेज और विश्वविद्यालय से ग्रेजुएशन की डिग्री।
ग्रेजुएशन के रिजल्ट की घोषणा 31 दिसंबर 2025 से पहले ही चुकी हो।
उम्मीदवार जिस राज्य से अप्लाई कर रहे हैं, वहां की स्थानीय भाषा को पढ़ने, लिखने और बोलने में एक्सपर्ट होना चाहिए।

एज लिमिट :
न्यूनतम : 20 साल
अधिकतम : 28 साल
उम्र की गणना 1 जनवरी 2026 के आधार पर की जाएगी।
उम्मीदवारों की डेट ऑफ बर्थ 2 जनवरी 1998 से पहले और 1 जनवरी 2006 के बाद की नहीं होनी चाहिए।
एससी/एसटी : 05 साल की छूट
ओबीसी (नॉन क्रीमीलेयर) : 3 साल की छूट
पीडब्ल्यूबीडी : 10 साल की छूट

सिलेक्शन प्रोसेस :
लिखित परीक्षा
लोकल लैंग्वेज टेस्ट
पर्सनल इंटरव्यू

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट pnb.bank.in पर जाएं।
यहां Employment Opportunities सेक्शन में PNB Apprentice Program 2025-26 के लिंक पर क्लिक करें।
मांगी गई जानकारी दर्ज करें।
जरूरी डॉक्यूमेंट्स अपलोड करें।
अपनी कैटेगरी के मुताबिक एप्लीकेशन फीस भरें।
फॉर्म का प्रिंटआउट निकाल कर रखें।

सिर से पैर तक दर्द:

शरीर की चेतावनी, आने वाली बीमारी का संकेत

दर्द को हम अक्सर मामूली समझकर नजरअंदाज कर देते हैं। सिर में दर्द हुआ तो पेनकिलर, कमर में दर्द हुआ तो बाम, जोड़ों में दर्द हुआ तो आराम... और फिर वही भागदौड़ भरी जिंदगी। लेकिन सच यह है कि दर्द कोई बीमारी नहीं, बल्कि शरीर की चेतावनी है। यह संकेत देता है कि शरीर के भीतर कुछ गड़बड़ हो रही है। जब शरीर के अंदर कहीं सूजन होती है, नस दबती है, मांसपेशियां थक जाती हैं या तनाव धीरे-धीरे नुकसान पहुंचाने लगता है, तो शरीर दर्द के जरिए अलार्म बजाता है— रुको, अब सेहत का ख्याल रखो।

दिक्कत तब होती है, जब हम उस अलार्म को बंद कर देते हैं।

कौन-सा दर्द है खतरनाक?

कुछ दर्द ऐसे होते हैं जिन्हें बिल्कुल भी हल्के में नहीं लेना चाहिए।

सीने में दर्द: अगर सीने में दर्द बाईं तरफ हो, जबड़े या दांत तक जाए, सांस फूलने लगे, ठंडा पसीना आए— तो यह सीधे दिल का संकेत है। ऐसे में देर करना जानलेवा हो सकता है।

पेट में लगातार दर्द: अगर पेट दर्द लगातार बढ़ता जाए, साथ में उल्टी हो, कमजोरी महसूस हो या दर्द बार-बार लौटे— तो यह सामान्य गैस नहीं हो सकती। यह लीवर, आंतों या पाचन तंत्र की गंभीर समस्या का इशारा है।

गर्दन और कंधे का दर्द: मोबाइल या लैपटॉप देखने से बढ़ने वाला गर्दन-कंधे का दर्द मांसपेशियों की कमजोरी और गलत पोस्चर का संकेत है। लंबे समय तक इसे इग्नोर करने से सर्वाइकल की समस्या हो सकती है।

हाथ-पैरों में झनझनाहट या सुन्नपन: अगर हाथ-पैरों में झनझनाहट, जलन या सुन्नपन रहता है, तो यह नसों की बीमारी का सिग्नल है। डायबिटीज, विटामिन की कमी या नर्व डैमेज इसकी वजह हो सकती है।

सुबह उठते ही जोड़ों में अकड़न: अगर सुबह उठते समय जोड़ों में अकड़न, सूजन या जलन हो— तो यह आर्थराइटिस का शुरुआती इशारा है। याद रखिए, दर्द होना गलत नहीं है, दर्द को इग्नोर करना गलत है। क्योंकि दर्द शरीर की आखिरी नहीं, पहली चेतावनी होता है।

दर्द से पता चलती है आने वाली बीमारी

दिल को मजबूत कैसे बनाएं

दिल को स्वस्थ रखना है तो रोजाना यह आयुर्वेदिक काढ़ा अपनाया जा सकता है— 1 चम्मच अर्जुन की छाल, 2 ग्राम दालचीनी, 5 तुलसी के पत्ते, इन्हें पानी में उबालकर काढ़ा बनाएं और रोजाना सेवन करें। यह दिल की मांसपेशियों को मजबूत करने और ब्लड सर्कुलेशन सुधारने में मदद करता है।

जोड़ों के दर्द के उपाय

अगर जोड़ों में दर्द बना रहता है तो कुछ आदतें बदलना जरूरी है— ठंड से बचें, गर्म कपड़े पहनें, रोजाना कम से कम 3 लीटर पानी पिएं, नियमित हल्का व्यायाम करें, विटामिन D से भरपूर चीजें लें इनसे बचें— प्रोसेस्ड फूड, ग्लूटेन युक्त खाना, शराब, ज्यादा चीनी और नमक। ये सूजन बढ़ाते हैं और दर्द को गंभीर बना सकते हैं।

नस और मांसपेशियों को मजबूत करें

नसों और मांसपेशियों की मजबूती के लिए डाइट में आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियां शामिल करें— गिलोय, अश्वगंधा, गुग्गुल, गोखरू, पुनर्नवा, ये शरीर की अंदरूनी कमजोरी को दूर करने में सहायक होती हैं।

मसल्स की कमजोरी कैसे दूर करें

मांसपेशियों और नसों की कमजोरी को दूर करने के लिए— रोजाना व्यायाम करें, विटामिन D युक्त आहार लें, दिन में 4–5 लीटर पानी पिएं, आंवले का नियमित सेवन करें, यह शरीर को अंदर से मजबूत बनाता है और दर्द की समस्या कम करता है।

सिरदर्द और माइग्रेन से कैसे बचें

अगर आपको बार-बार सिरदर्द या माइग्रेन होता है तो— शरीर में गैस न बनने दें, एसिडिटी को कंट्रोल करें, व्हीटग्रास और एलोवेरा जूस लें, शरीर में कफ को बैलेंस रखें, अणु तेल की 2–2 बूंद नाक में डालें, यह उपाय सिरदर्द की जड़ पर काम करते हैं।

आखिर में एक जरूरी बात

दर्द को सहना बहादुरी नहीं, समझदारी है उसे समझना। जो समय रहते शरीर के संकेतों को समझ गया, वह बीमारी से बच गया। और जो हर दर्द को "नॉर्मल" कहकर टालता रहा, वह धीरे-धीरे सेहत से समझौता करता चला गया। इसलिए दर्द को दबाइए नहीं, सुनिए। क्योंकि शरीर झूठ नहीं बोलता।

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया में 2273 पदों के लिए आवेदन की तारीख बढ़ी

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया यानी SBI की ओर से सर्कल बेस्ड ऑफिसर के 2273 पदों पर भर्ती निकली है। इस वैकेंसी के लिए आवेदन की आखिरी तारीख 18 फरवरी थी जिसे 25 फरवरी 2026 तक के लिए एक्सटेंड किया गया है। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट sbi.co.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। इस भर्ती के तहत नियमित पद 2050 और बैकवर्ड के 223 पदों पर भर्ती की जाएगी।

आवेदन शुरू :
29 जनवरी से 25 फरवरी 2026 तक

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय / संस्थान से किसी भी स्ट्रीम में ग्रेजुएशन या इसके समकक्ष डिग्री।
मेडिकल इंजीनियरिंग / इंजीनियरिंग / CA कर चुके उम्मीदवार आवेदन कर सकते हैं।
लोकल लैंग्वेज का नॉलेज होना चाहिए।

एज लिमिट :
न्यूनतम : 21 साल
अधिकतम : 30 साल
एससी, एसटी : 5 साल की छूट
ओबीसी : 3 साल की छूट
जनरल (पीडब्ल्यूडी) : 10 साल की छूट
उम्मीदवारों का जन्म 1 जनवरी, 1996 से 31 दिसंबर, 2004 के बीच होना चाहिए।

फीस :
जनरल, ओबीसी, ईडब्ल्यूएस : 750 रुपए
एससी, एसटी, पीएच : नि: शुल्क

सिलेक्शन प्रोसेस :
ऑनलाइन टेस्ट
स्क्रीनिंग
इंटरव्यू

सैलरी :
48,480 - 85,920 रुपए प्रतिमाह

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल पोर्टल sbi.bank.in पर जाएं।
होम पेज पर Click here for New Registration पर क्लिक करके मांगी गई डिटेल्स दर्ज करें।
रजिस्ट्रेशन प्रोसेस पूरी करें।
अपने सिग्नेचर और फोटोग्राफ अपलोड करें।
अब बेसिक डिटेल दर्ज करने के बाद फॉर्म को प्रिव्यू करें।
अब अन्य डिटेल्स अपलोड करें।
फीस जमा करके फॉर्म सब्मिट कर दें।
अब एक प्रिंटआउट निकालकर अपने पास रख लें।

रॉयल पत्रिका

जयपुर से प्रकाशित होने वाले हिंदी अख़बार "रॉयल पत्रिका" साप्ताहिक में आप वैवाहिक, मकान बेचना है, मकान खरीदना है, इत्यादि के विज्ञापन देकर अपना वक़्त बचा सकते हैं। यह विज्ञापन बहुत ही रियायती रेट में छापे जाते हैं। विज्ञापन बुक करवाने के लिए संपर्क करें -

9772552446/9799559096

नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड में 270 पदों पर भर्ती

नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (NCL) ने असिस्टेंट फोरमैन (ट्रेनी) ग्रेड - सी के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसके तहत फिटर, इलेक्ट्रीशियन, वेल्डर और अन्य संबंधित पद शामिल हैं। उम्मीदवार एनसीएल की ऑफिशियल वेबसाइट nclcil.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं।

आवेदन शुरू :
11 फरवरी से 05 मार्च 2026 तक

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
10वीं पास, संबंधित क्षेत्र में 3 साल का डिप्लोमा।

एज लिमिट :
न्यूनतम : 18 साल
अधिकतम : 30 साल
एससी, एसटी : 5 साल की छूट
ओबीसी : 3 साल की छूट
पीडब्ल्यूडी : 10 साल की छूट दी जाएगी।

सैलरी :
47,330.25 रुपए प्रतिमाह

सिलेक्शन प्रोसेस :
कंप्यूटर बेस्ड टेस्ट
डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन
मेडिकल एग्जाम

फीस :
यूआर, ओबीसी - एनसीएल, ईडब्ल्यूएस : 1180 रुपए
एससी, एसटी, ईएसएम, पीडब्ल्यूबीडी, विभागीय उम्मीदवार : नि:शुल्क

ऐसे करें आवेदन :
नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड की ऑफिशियल वेबसाइट www.nclcil.in पर जाएं।
भर्ती सेक्शन पर क्लिक करें।
अप्रेंटिस के लिए ऑनलाइन आवेदन लिंक पर क्लिक करें।
जरूरी डिटेल्स दर्ज करें।
फॉर्म जमा करें। आगे की जरूरत के लिए एक प्रिंटआउट लेकर रखें।

मशहूर ब्रिटिश रैपर सेंट्रल सी ने अपनाया इस्लाम

-लाइव प्रोग्राम में बोला, "अब मैं एक मुसलमान हूँ"

नई दिल्ली । दुनिया भर में मुसलमान और इस्लाम के खिलाफ बढ़ रहे नफरत और हिंसा के बाद भी इस्लाम सबसे तेज़ी से बढ़ता हुआ मजहब बना हुआ है । ऐसा कई रिपोर्ट में दावा किया जा चुका है, लेकिन आम आदमी को इन रिपोर्ट्स और खबरों पर भरोसा तभी होता है, जब कोई बड़ा सेलेब्रिटी इस्लाम कबूल करता है ।

अब खबर है कि पॉपुलर ब्रिटिश रैपर सेंट्रल सी असली नाम ओकले नील सीज़र-सु ने इस्लाम धर्म कबूल कर लिया है. यह खबर उन्होंने हाल ही में एक लाइवस्ट्रीम के दौरान शेयर की जो बीते शुक्रवार को तेज़ी से ऑनलाइन प्लेटफार्म सर्कुलेट होने लगा । रैपर सेंट्रल सी ने दर्शकों को बताया कि उन्होंने शहादा, यानी इस्लामी आस्था को स्वीकार कर इस्लाम अपना लिया है ।

सेंट्रल सी ने ब्रॉडकास्ट के दौरान कहा, "मैंने इस्लाम अपनाने के बाद अपना नाम भी बदल लिया है. अब मैं एक मुसलमान हूँ" । इसके बाद वहां मौजूद दोस्तों ने उन्हें मुबारकबाद पेश की । उन्होंने लाइवस्ट्रीम के दौरान ये भी इशारा किया कि वह धर्म बदलने के बाद एक अलग स्टेज नेम अपना सकते हैं । उनके इस फैसले पर सोशल मीडिया पर काफी चर्चा हो रही है । फैंस उनकी ईमानदारी की तारीफ कर रहे हैं और उनके सुखद जीवन की शुभकामनाएं दे रहे हैं । दुनिया भर के फैंस और साथी आर्टिस्ट वेस्ट लंदन के रैपर को सपोर्ट और "माशाअल्लाह" के मैसेज भेज रहे हैं ।

इससे पहले इस रैपर ने कभी किसी सार्वजनिक मंच से अपने धार्मिक विश्वासों के बारे में बात नहीं की थी, इस वजह से ये घोषणा उनके फैंस के लिए एक बेहद ख़ास खुलासे जैसा बन गया । द संडे गार्डियन के मुताबिक, यह फैसला पब्लिसिटी के लिए नहीं, बल्कि चुपचाप और ईमानदारी से लिया गया फैसला था, खासकर तब जब रैपर 27 साल की उम्र में अपने करियर की बुलंदियों को एन्जॉय कर रहे हैं ।

सेंट्रल सी को ब्रिटेनके मॉडर्न रैप में सबसे आगे अग्रणी कलाकार हैं । अपनी जवानी में पर्सनल मुश्किलों का सामना करने के बावजूद, जिसमें उनके माता-पिता के अलग होने के बाद ज़्यादातर उनकी माँ ने ही उनका पालन-पोषण किया । उन्होंने 16 साल की उम्र में स्कूल छोड़ दिया, क्योंकि उन्हें पढ़ाई से आगे अपने जुनून को तलाशने की इच्छा थी । संगीत के उनके सफ़र ने उनके अनुभवों, अमेरिकन हिप-हॉप और लन्दन के स्ट्रीट कल्चर से प्रेरित होकर मुश्किल लिरिक्स लिखने का उनका नैचुरल टैलेंट दिखाया है ।

वेस्ट लंदन के ड्रिल म्यूज़िक कल्चर से निकलकर, उन्होंने अपने स्टाइल और दिल को छूने वाली संगीत के लिए दुनिया भर में एक अलहदा पहचान बनाई है. 2024 में, वह दुनिया भर में सबसे ज़्यादा स्ट्रीम होने वाले रैपर बन गए, अरबों स्ट्रीम हासिल किए और इंटरनेशनल चार्ट्स पर अपनी जगह पक्की की ।

उनका 2022 का एल्बम '23' UK एल्बम चार्ट में टॉप पर रहा, जबकि 'डोजा' उस वक़्त एक रिकॉर्ड तोड़ने वाला सिंगल बन गया था । डेव के साथ 'स्प्रिंटर' पर उनके कोलेबोरेशन ने 2023 में लगातार दस हफ़्तों तक नंबर 1 पोजीशन पर कब्ज़ा किया, जिससे म्यूज़िक इंडस्ट्री में हलचल मच गई थी ।

मोहम्मद शाहिद मन्नू पठान दी पब्लिक कैरियर ट्रक ऑनर्स संस्थान बारां के निर्विरोध जनरल सेकेट्री निर्वाचित

बारां (रॉयल पत्रिका) । दी पब्लिक कैरियर ट्रक ऑनर्स संस्थान बारां के आगामी 17 फरवरी 2026 को होने वाले चुनाव को लेकर फार्म जमा करवाने की आखिरी तारीख 15 फरवरी थी। इस दौरान सभी पदों को लेकर एक से ज्यादा नामांकन दाखिल हुए हैं। लेकिन संस्थान के जनरल सेकेट्री के पद पर सिर्फ एक ही आवेदन वर्तमान यूनियन के जनरल सेकेट्री मोहम्मद शाहिद मन्नू पठान का प्राप्त होने ओर सामने किसी भी प्रत्याशी के नहीं आने पर चुनाव अधिकारी अनवर अली पीटीआई, राजेश कुमार पिपलानी (प्रेम), प्रदीप नागर, राय बहादुर सिंह, फारूक अहमद ओर अब्दुल मजीद ने 15 फरवरी रविवार को ही मन्नू पठान को निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया। मन्नू पठान लगातार छठी बार जनरल सेकेट्री निर्वाचित हुए हैं। यूनियन में चर्चा का विषय रहा कि लंबे समय बाद कोई निर्विरोध निर्वाचित हुआ है। उनके निर्विरोध जनरल सेकेट्री निर्वाचित होने पर यूनियन के पदाधिकारियों द्वारा माला पहनाकर साफाबंदी करके मुंह मीठा करवाकर उनका जोरदार स्वागत सत्कार किया गया। इस दौरान श्याम जी बंसल, अकील पठान, सन्नी अदलक्खा, फिरोज खान, ध्रुव कुमार यादव, विष्णु मीणा, रामशरण पंजाबी, गोविंद रेबारी, रमेश किराड़, साजिद खान लजीज, राजू खान बर्तन वाले, पार्षद मोहम्मद जाकिर खान, अलीम पठान, सलीम पठान, रिंकू सूरमा सहित बारां के व्यापारीगण व ट्रक यूनियन के सभी सदस्य मौजूद रहे।

एसोसिएशन फॉर प्रोटेक्शन ऑफ सिविल राइट्स(APCR) की बैठक आयोजित

बारां (रॉयल पत्रिका) । एसोसिएशन फॉर प्रोटेक्शन ऑफ सिविल राइट्स (APCR) की एक बैठक बारां में 14 फ़रवरी शनिवार को कौसर कॉलोनी स्थित एक निजी संस्थान में संगठनात्मक़-मीटिंग आयोजित की गई। जिसमें APCR राजस्थान इकाई के प्रदेश महासचिव मुज़म्मिल इस्लाम रिज़वी और संभाग कॉर्डिनेटर मोहम्मद आबिद ख़ान की मौजूदगी में समाज़ के मानवाधिकार ओर सामाजिक कार्यकर्ताओं के साथ नागरिकों के मानवाधिकारों, समाज़ के हाशिए पर पड़े वंचित-वर्गों को क़ानूनी-सहायता और क़ानूनी-साक्षरता प्रदान करतें हुए एक बैठक आयोजित की गई। साथ हीं संगठन की मजबूती समाज में नागरिक अधिकारों की जागरूकता और आगामी कार्यकारिणी पर चर्चा की गई। इस दौरान अंजुमन इत्तेहाद-ए-बाहमी के सदर आबिद हुसैन अंसारी, अधिवक्ता फिरोज खान, मौलाना अख्तर नदवी, हैदर अली अंसारी, हाजी अब्दुल हसीब, मास्टर अय्यूब अली, मास्टर आबिद अली, मास्टर शहाबुद्दीन, एडवोकेट आरिफ खान, जियाउर्रहमान, मोईन आजाद, समीर अंसारी, यूसुफ राज, ईमाम शब्बीर अहमद, अब्दुल शकूर कारपेंटर, आरिफ काजी सहित कई सामाजिक कार्यकर्ता ओर गणमान्य लोग मौजूद रहे।

अंसारी वेलफेयर सोसाइटी कोटा द्वारा हज गाइड और रमज़ान बुकलेट का विमोचन

कोटा (रॉयल पत्रिका) । अंसारी वेलफेयर सोसाइटी कोटा की ओर से शहर के एक निजी संस्थान में 14 फरवरी 2026 शनिवार को एक प्रोग्राम आयोजित किया गया जिसमें रिज़वानुद्दीन अंसारी द्वारा सम्पादित हज गाइड और रमज़ान बुकलेट संस्करण 2026 का विमोचन किया गया। हज गाइड का वितरण कोटा , बूंदी, झालावाड़, बारां तथा अन्य ज़िलों में राज्य सरकार द्वारा आयोजित टीकाकरण शिविर में किया गया। सोसाइटी के अध्यक्ष इंजीनियर सिराज अहमद अंसारी के अनुसार प्रोग्राम के मुख्य अतिथि पूर्व डीजीपी छत्तीसगढ़ एम डब्ल्यू अंसारी रहे। पूर्व डीजीपी एम डब्ल्यू अंसारी ने अपने सम्बोधन में शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला साथ ही स्किल डेवलपमेंट और महिला सशक्तिकरण पर भी अपने विचार व्यक्त किए। प्रोग्राम में सोसाइटी के ट्रेज़रर अब्दुल मजीद अंसारी, वाई जी एन एजूकेशन ग्रुप के चेयरमैन अरशद अंसारी, मुख्तार अंसारी, मेहमूद अली, इंजीनियर शाहिद, पार्षद साहिब हुसैन, इकराम हुसैन, अब्दुल हकीम, डॉ. रियाज़, इंजीनियर अब्दुल गनी, ज़ाकिर एडवोकेट, मोहम्मद हुसैन, तोसीफ हुसैन, अहमद रज़ा, मुस्तमिर सलीम अब्बासी और शाहनवाज़ आदि भी उपस्थित रहे। मीटिंग का संचालन अब्दुल मजीद अंसारी ने किया।

तमाम हाजी साहिबान अल्लाह के घर के मेहमान - हाजी मोहम्मद अशफाक

-बारां में हाजियों का टीकाकरण एवं प्रशिक्षण शिविर सम्पन्न

बारां (रॉयल पत्रिका) । हज 2026 के मुकद्दस सफर पर जाने वाले हाजियों का तरबीयती व टीकाकरण शिविर 15 फरवरी 2026 रविवार को बाबा फूल पीर साहब स्थित जमात खाने में आयोजित हुआ। प्रोग्राम में राजस्थान स्टेट हज कमेटी के पूर्व सदस्य हाजी मोहम्मद अशफाक, वरिष्ठ समाजसेवी हाजी सलीम भाई बीड़ी वाले, पूर्व जिला संयोजक हाजी लियाकत अली मेव, हज खिदमतगार लईक अहमद अंसारी, आरज़ू अंसारी, हाजी इकबाल हुसैन अंसारी, खैरून्निसा एजुकेशनल एंड वेल्फेयर सोसायटी के अध्यक्ष हाजी वकार अहमद अंसारी, अखलाक अंसारी मांगरोल ओर डॉक्टर फातिमा अंसारी ने अपनी बेहतरीन खिदमत अंजाम दी। मेडिकल टीम द्वारा आरसीएचओ डॉक्टर जगदीश कुशवाह के नेतृत्व में डॉक्टर शामिख अंसारी, डॉक्टर अशत इज़ान, डॉक्टर आसिम भारती, नर्सिंग ऑफिसर शमां बी, रईस अहमद, शाहिद खान, हसीना बानो, एएनएम रेहाना बानो, नीलोफर बानो, डी ई ओ साबिर हुसैन व मोहम्मद इकबाल ने बारां जिले से हज पर जाने वाले 71 हाजियों का वेक्सिनेशन, टीकाकरण किया तथा सभी हाजियों को पोलियो की दवा भी पिलाई गई ओर कागजी कार्यवाही पूरी की गई। टीकाकरण एवं प्रशिक्षण केम्प में वक्फ कमेटी बारां के चेयरमैन इफरान अंसारी, अब्दुल अजीज अंसारी, अब्दुल रशीद पठान, वरिष्ठ नेता जाकिर मंसूरी, एडवोकेट असलम भारती, डॉ. मुश्ताक अहमद अंसारी, अशरफ देशवाली, पूर्व अल्पसंख्यक कांग्रेस जिलाध्यक्ष शाहिद कुंडी, अब्दुल शकूर चिश्ती, समाजसेवी शेख बहादुर, वक्फ सेकेट्री रईस अहमद, हक्का भाई, पूर्व ईदगाह सदर सद्दाम हुसैन अंसारी, नासिर मिर्ज़ा, शोएब अख्तर, ताहिर अंसारी, वसीम अंसारी ने हज पर जाने वाले हाजियों को माला पहनाकर मुबारकबाद दी। शिविर के दौरान हज ट्रेनर हाजी सरफराज अहमद, अब्दुल शाकिर, मौलाना वसीम अख्तर, मुफ्ती नजीब, हाफिज कुरेश ने अहराम बांधने का तरीका व हज के तमाम अरकान तफसील से समझाए। इस दौरान हाजियों को हज गाईड व मार्ग दर्शिका देकर फूल मालाओं से स्वागत् कर सभी को मुबारकबाद पेश की। वक्फ कमेटी चेयरमैन इरफान द्वारा हाजियों को बैग तकसीम किए गए। प्रोग्राम में अब्दुल अजीज अंसारी ओर अब्दुल रशीद पठान का भी विशेष ताऊन रहा। प्रोग्राम के आखिर में राजस्थान स्टेट हज कमेटी के पूर्व सदस्य हाजी मोहम्मद अशफाक ने सभी को मुबारकबाद देकर शुक्रिया अदा किया।

न्याय की स्थापना के लिए संघर्षरत रहें कार्यकर्ता - वक़ार अहमद

-वेलफ़ेयर पार्टी का कार्यकर्ता समागम संपन्न

कोटा (रॉयल पत्रिका)। वेलफेयर पार्टी ऑफ़ इंडिया का कार्यकर्ता सम्मेलन 15 फरवरी 2026 रविवार को पार्टी कार्यालय में आयोजित किया गया। इस अवसर पर जयपुर से प्रदेश अध्यक्ष वक़ार अहमद ख़ान और जोधपुर से प्रदेश संगठन सचिव अरशद अली ने कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। प्रदेश अध्यक्ष ने अपने संबोधन में कार्यकर्ताओं को न्याय की स्थापना के लिए संघर्ष करने का आव्हान किया। उन्होंने पार्टी सदस्यों से जनहित से जुड़े हुए मुद्दों को उठाने के निर्देश दिए। संगठन सचिव अरशद अली ने आगामी निगम चुनावों में कार्यकर्ताओं को जुट जाने हेतु प्रेरित किया। इस अवसर पर प्रदेश उपाध्यक्ष सैफ़ुल्लाह ख़ान, जिला अध्यक्ष अनवर कुरैशी बबलू, उपाध्यक्ष आसिफ़ हुसैन, संगठन सचिव जावेद अख़्तर अंसारी, उपाध्यक्ष मोहम्मद इरफ़ान, निवर्तमान पार्षद मोहम्मद आसिम, मीडिया प्रभारी मुहम्मद खालिद आदि ने संबोधित किया। कार्यकर्ता सम्मेलन में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भवानीमण्डी में समाजसेवियों ने उपखंड अधिकारी कार्यालय में सहायक अधिकारी विनीत जैन को ज्ञापन दिया

फिरोज खान वारसी

झालावाड़ (रॉयल पत्रिका)। भवानीमण्डी में 13 फरवरी 2026 को समाजसेवी गणेश सालेचा व शीतल जैन ने उपखंड अधिकारी कार्यालय में सहायक अधिकारी विनीत ज़ेन व प्रशासक को ज्ञापन दिया। उन्होंने पचपहाड़ रोड़ पर गली निर्माण और मूत्रालय बनाने की मांग की। गली में गंदगी और बदबू से लोग परेशान हैं। बारां दुकान चौराहा जैन श्वेतांबर मंदिर से लगी हुई गली है। श्रद्धालु व स्थानीय दुकानदार और आमजनों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोग व गणेश सालेचा ने ज्ञापन में बताया कि गली में निर्माण कार्य हेतु मूत्रालय बनाने

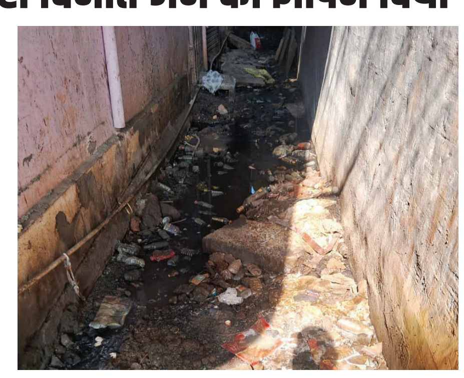

की मांग की है।

मरहूम हाजी मोहम्मद अली की स्मृति में आयोजित शूटिंग बॉलीबॉल संभाग स्तरीय प्रतियोगिता का उद्घाटन समारोह झालावाड़ में हुआ

फिरोज खान वारसी

झालावाड़ (रॉयल पत्रिका)। रोमांचक मुकाबलों ने दर्शकों का मन मोहा, पूर्व शारीरिक शिक्षक मरहूम हाजी मोहम्मद अली की स्मृति में 15 फरवरी 2026 को आयोजित शूटिंग बॉलीबॉल संभाग स्तरीय प्रतियोगिता का उद्‌घाटन समारोह खेल संकुल झालावाड़ में हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व विधायक निर्मल कुमार सकलेचा ने कहा कि इस तरह के खेलो के आयोजन से प्रतिभाओं को उभरने का मौका मिलता है, स्व. मोहम्मद अली ख़ुद एक राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी रहे है। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व सभापति मनीष शुक्ला ने कहा की खेल को हमेशा खेल की भावना से खेले, जीत और हार दोनों से हमे सीख लेनी चाहिये। पूर्व ब्लॉक काँग्रेस अध्यक्ष फरीद चौधरी ने कहा कि खेलों से व्यक्ति का शारीरिक के साथ मानसिक विकास भी होता है, सभी को निरोगी रहने के लिए खेल से हमेशा जुड़े रहना चाहिये। मरहूम मोहम्मद अली के पुत्र आयोजक एडवोकेट हैदर अली ने सभी अतिथियों का स्वागत कर पिताजी की खेल से जुड़ी स्मृतियों को ताजा किया। शूटिंग बॉल खिलाड़ी प्रवीण जांगिड और अब्दुल सलाम ने बताया कि प्रतियोगिता में टूर्नामेंट में कोटा, देवली, मंदसौर, मनोहरथाना, पचपहाड़, सुकेत, भवानीमंडी, हेमडा, ढाबला खिची, चछलाव सहित 16 टीमों ने भाग लिया। पहले मुकाबले में पचपहाड़ ने कोटा को 21-14 से शिकस्त दी वही अगले मुक़ाबले में नारायणी क्लब झालावाड़ और हेमडा के मध्य में झालावाड़ 21-11 से विजय रही। कार्यक्रम में पूर्व खिलाड़ियों गोपीरमन पाटीदार, रमन नामदेव, मजीद अहमद, शब्बीर बोहरा, मांगीलाल लोधा, राधेश्याम नागर, अख्तर भाई का सम्मान किया गया।

सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया के कार्यवाहक राष्ट्रीय अध्यक्ष का बारां पहुँचने पर भव्य स्वागत

बारां (रॉयल पत्रिका)। सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया (एसडीपीआई) के कार्यवाहक राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के पश्चात प्रथम बार बारां आगमन पर मोहम्मद शफी का अंजुमन चौराहे पर जिलाध्यक्ष अब्दुल अजीज अज्जू के नेतृत्व में जिला कमेटी बारां के कार्यकर्ताओ ने गर्मजोशी के साथ माला पहनाकर, आतिशबाजी करके स्वागत किया। इसके बाद सभी जुलूस के रूप में दरगाह बाबा पठान साहब पर पहुँचे, जहां पर मोहम्मद शफी ने सोशल डेमोकेर्टिक पार्टी ऑफ़ इण्डिया के कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि आने वाले नगर परिषद चुनाव में जी जान से लग जाए। इसी दौरान वार्डो में नाम फ़ाइनल किये जिसमे इस बार पार्टी ने 24 वार्डो में चुनाव लड़ने का फैसला किया, इस बार पहले से ज्यादा वार्डो पर एसडीपीआई अपने मेंबर्स को उतरने का फैसला किया गया है। प्रोग्राम में राजस्थान प्रदेश महासचिव नदीम अख्तर, प्रदेश कोषाध्यक्ष जाकिर रंगरेज, बारां जिला प्रभारी मोहम्मद जावेद, प्रदेश कमेटी मेंबर्स इफ्तिखार अहमद बबलू, बारां जिलाध्यक्ष अब्दुल अजीज अज्जू भाई, जनरल सेकेट्री अलीम मंसूरी, सेकेट्री मौलाना सलमान, हाजी अशफाक, इरशाद अंसारी, हाजी वहीद, हमीद अली, पार्षद असलम अंसारी, सलामत अंसारी, शेर अली, वसीम शैख, समीर मिर्जा, नदीम, अतीक, मंसूर, अशफाक पठान, शाहिद, इमरान, साबिर शैख, मुजफ्फर, रिंकू मंसूरी, इमदाद, शाकिर रंगरेज, जावेद, हाजी सलीम, इमरान शैख सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे। अंत मे जनरल सेकेट्री अलीम मंसूरी ने सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया।

विद्यालय में मनाया मातृ पितृ पूजन दिवस, बच्चों ने लिखी वोट पाती माता-पिता के नाम

शब्बीर हुसैन

बारां (रॉयल पत्रिका) । राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देश पर जिला निर्वाचन अधिकारी कलक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर एवं सीईओ व नोडल अधिकारी स्वीप राजवीर सिंह चौधरी के मार्गदर्शन में जिले के समस्त राजकीय एवं निजी विद्यालयों में बच्चों को भारतीय सांस्कृतिक मूल्य एवं संस्कार देने तथा माता-पिता और अभिभावकों को मतदान के संवैधानिक अधिकार के महत्व के प्रति जागरूक करने एवं उन्हें नैतिक मतदान के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से मातृ पितृ पूजन दिवस का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने पूजन के बाद माता-पिता को हस्तलिखित वोट पाती देकर मतदान करने के लिए प्रेरित किया।

मतदान का लिया संकल्प:

मां पिता को दी गई हस्त लिखित वोट पाती

शहर के महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय एवं स्वामी विवेकानंद विद्या निकेतन में आयोजित मातृ पितृ पूजन दिवस समारोह के दौरान स्वीप सह प्रभारी अमित भार्गव ने सभी उपस्थित जन को मतदान का संकल्प कराया और उपस्थित जन से हर चुनाव पर्व में उत्साह से मतदान करने की अपील की। इस दौरान भार्गव ने माता-पिता की महिमा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वे संतान के पहले गुरु और संरक्षक होते हैं। साथ ही निर्वाचन के ऑनलाइन एप्लीकेशंस

की जानकारी दी। वहीं नव मतदाताओं को अपना नाम मतदाता सूची में जुड़वाने के लिए घर बैठे ईसीआई नेट एप द्वारा ऑनलाइन प्रक्रिया से करने की जानकारी दी गई। साथ ही सीविजील ऐप द्वारा आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन करने की शिकायत पर 100 मिनट के अंदर समाधान प्राप्त करने के बारे में बताया एवं केवाईसी ऐप द्वारा अपने क्षेत्र से चुनाव उम्मीदवारों की जानकारी प्राप्त करने के बारे में समझाया गया। सक्षम ऐप द्वारा दिव्यांगजन को मतदान दिवस पर उपलब्ध होने वाली सुविधाओं से अवगत कराया तथा 85 प्लस आयु वर्ग के मतदाताओं के लिए होम वोटिंग की सुविधा के बारे में बताया गया। निर्वाचन विभाग के निर्देशानुसार कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने मां एवं पिता के लिए वोट पाती लिखी, जिसमें निर्वाचन विभाग की डिजिटल सुविधाओं के उपयोग का वर्णन किया गया तथा माता पिता को भेंट कर मतदान करने को कहा।

वैदिक मंत्रोच्चार के साथ किया मातृ-पितृ पूजन

कार्यक्रम में बच्चों ने अपने माता-पिता का वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजन किया। चरण धोए, माता-पिता की आरती की। माता पिता ने बच्चों को हृदय से लगाकर आशीर्वाद दिया। पूजन के सामूहिक दृश्य से सभी आनंदित थे। इस दौरान संस्थान के सचिव राजेंद्र शर्मा ने कहा कि सभी मतदाता हर चुनाव में सपरिवार उत्सव की तरह शामिल होकर अपने मतदान का कर्तव्य निभाएं। कार्यक्रम को दीनदयाल मीणा, व्याख्याता आलोक दाधीच ने भी संबोधित किया।

विद्यार्थियों ने दी सांस्कृतिक प्रस्तुति

कार्यक्रम में बच्चों द्वारा भारतीय संस्कृति पर आधारित शानदार कार्यक्रम पेश किया। साथ ही नहीं बटा है, नहीं बटेगा मम्मी डैडी का प्यार जैसे गीतों पर मनमोहन सामूहिक नृत्य की प्रस्तुति की गई। प्रधानाचार्य दीनदयाल नागर ने विद्यार्थियों से निर्वाचन के ऑनलाइन एप्लीकेशंस का उपयोग करने एवं अपने परिचित जन का इन ऐप के माध्यम से सहयोग करने की बात कही। इस दौरान बड़ी संख्या में अभिभावकगण, ईएलसी प्रभारी महावीर गौतम, बीएलओ जगदीश कुमार सहित विद्यालय स्टाफ एवं विद्यार्थी मौजूद रहे।

अब किसानों को दिन में मिल रही बिजली, रात में ठिठुरते हुए नहीं जाना पड़ता खेत में

डॉ. तोहिद

कनवास (रॉयल पत्रिका)। नगर में शनिवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला एवं ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने विभिन्न विकास कार्यों की सौगात दी। महात्मा गांधी स्टेडियम खेल मैदान में 37.28 करोड रुपए से अधिक की राशि से होने वाले पांच विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। अध्यक्ष सत्यवान नागर, संयोजक कौशल सोनी ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, विशिष्ट अतिथि भाजपा देहात जिला अध्यक्ष प्रेम गोचर, जिला प्रमुख मुकेश मेघवाल, प्रधान जयवीर सिंह, सुल्तानपुर प्रधान कृष्णा शर्मा रहे, जबकि अध्यक्षता क्षेत्रीय ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने की। कार्यक्रम से पूर्व मुख्य अतिथि लोकसभा अध्यक्ष बिरला व ऊर्जा मंत्री नागर का 51 किलो का फूलो का हार पहनाकर तथा अतिथियों का माला, दुपट्टा व गुलदस्ता भेंटकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम में कनवास में 18.10 करोड़ की लागत से बने 132 केवी जीएसएस का लोकार्पण और 9 करोड़ रुपए की लागत से क़नवास में प्रस्तावित पॉलिटेक्निक कॉलेज भवन के निर्माण कार्य का शिलान्यास कियया गया। इसके अलावा धुलेट में 5.11 करोड़ तथा खजूरना में 4.92 करोड रुपए पावर ग्रिड के अंतर्गत मीर योजना से सामुदायिक दर का 15 किया। कार्यक्रम को संबोधित करते लोकसभा अध्यक्ष ने राजस्थान की हर घर तक पहुंचाने के लिय प्रतिबद्ध है। ऊर्जा मंत्री प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि वर्तमान में किसानों को दिन में निर्वाध बिजली जा रही है। साथ ही आने में क्षेत्र के प्रत्येक अमिति पहुंचेगा। स्पीकर ने कहा कि तक पेय जल और देत सिचाई पानी पहुंचने के लिए योजना तैयार है। आने आलनिया बांध से सिंचाई के लिए किसानों को पानी मिलेगा। हरिश्चंद्र सागर बांध और आलनिया बांध से पूरे क्षेत्र समृद्ध हो जाएगा।

रामगंज मंडी में सुकेत रोड पर स्ट्रीट लाइट का लोकर्पण समारोह हुआ

डॉ. तोहिद

रामगंजमंडी/सुकेत (रॉयल पत्रिका)। शहर में सुकेत रोड 68.50 लाख से लगी लाइटों से रोशन हो गया है। इन लाइटों का उद्‌घाटन किया गया। इसके लिए शाम के समय सुकेत रोड पर मरियम अस्पताल के समीप जिलाध्यक्ष प्रेम गोचर की अध्यक्षता में कार्यक्रम हुआ। जिसमें मुख्य अतिथि शिक्षा एवं पंचायतीराज मंत्री मदन दिलावर रहे। उन्होंने उद्‌घाटन के बाद रिमोट से लाइटें चालू की है। इसके बाद अतिथियों का कार्यकर्ताओं की ओर से स्वागत किया गया। पूर्व पालिका अध्यक्ष अखिलेश मेड़तवाल ने बताया कि सुकेत रोड पर 68 लाख 50 हजार की लागत से करीब 90 पोल लगाकर लाइटें लगाई गई है। जिससे कि रात के समय सड़क पर रोशनी बनी रहे। संचालन पूर्व देहात जिला महामंत्री नरेंद्र राजा ने किया। रूपचंद जैन, मंडल अध्यक्ष शैलेश, कोटा स्टोन एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष प्रहलाद बैंसला समेत अन्य पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं के साथ लोकसभा स्पीकर के निजी सहायक जीवन धर् जैन भी शामिल हुए।

सूचना

समाचार पत्र में प्रकाशित लेखों में लेखक के अपने विचार हैं, इनसे संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

सांचौर टैक्सी चालकों ने पुलिस पर लगाया परेशान करने का आरोप, टैक्सी यूनियन अध्यक्ष रतन लाल माली के नेतृत्व में किया प्रदर्शन

-मौके पर पहुंचे पूर्व सांसद ने डीवाईएसपी को लगाई फटकार बिना वजह परेशान ना करें रोजी-रोटी कमाने वालों को

सांचौर (रॉयल पत्रिका) । शहर में यातायात पुलिस की कार्रवाई को लेकर उसे समय विवाद खड़ा हो गया जब टैक्सी व लोरी चालकों ने पुलिस पर लगातार परेशान करने के आरोप लगाए मामला इतना बड़ा की जालौर सिरोही लोकसभा सीट के पूर्व सांसद देव जी पटेल मौके पर पहुंचे और सांचौर डिवाइएसपी को मौके पर चौराहे पर बुलाया और लगाई फटकार। घटना सांचौर के मुख्य चौराहे की है जहां यातायात पुलिस प्रभारी आसुराम देवासी पर एक टैक्सी की चाबी निकालने का आरोप लगा इससे नाराज टैक्सी यूनियन अध्यक्ष रतनलाल माली के नेतृत्व में टैक्सी व लोरी चालकों ने प्रदर्शन शुरू कर दिया। चालकों का कहना था कि बीते एक सप्ताह से पुलिस मामूली बातों पर शक्ति कर रही है जिससे उनकी रोजी-रोटी प्रभावित हो रही है प्रदर्शन की सूचना पर पूर्व सांसद देव जी एम पटेल मौके पर पहुंचे उन्होंने सांचौर डिवाइस एसपी जयराम मुंडेल को चार रस्ता पर बुलाकर सवालों की झड़ी लगा दी। पूर्व सांसद ने कहा है की एक सप्ताह से कभी पुलिस तो कभी अन्य प्रशासनिक अधिकारी टैक्सी चालकों को परेशान कर रहे हैं उन्होंने पूछा कि आखिर यह सब किसके कहने पर हो रहा है। पूर्व सांसद ने पुलिस पर आरोप लगाते हुए कहा की टैक्सी व लोरी चालक चोरी नहीं कर रहे हैं बल्कि मेहनत मजदूरी कर अपना और अपने परिवार का पेट पाल रहे हैं यदि यातायात की समस्या है तो चालकों को समझाइए की जा सकती हैं कि वाहन सड़क से थोड़ा किनारे खड़ा करें,लेकिन चाबी निकालना और बार-बार परेशान करना गलत है उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि आगे भी टैक्सी ऑटो चालकों ओर हाथ ठेला लगाने वालों को परेशान किया गया तो वे हाईवे जाम करेंगे। सांसद ने कहा कि पुलिस चोर को पकड़ने में असफल हो रही है और गरीबों को फसाया जा रहा है वही मामले पर डिवाइस पर जयराम मंडल ने बताया कि मुख्य चौराहे पर यातायात नियमों के उल्लंघन पर एक टैक्सी का चालान किया गया था टैक्सी चालकों की शिकायत पर पूर्व सांसद मौके पर आए थे बातचीत के बाद मामला आपसी सहमति से सुलझा दिया गया है।

चूरू जिला में हज प्रशिक्षण एवं हज टीकाकरण शिविर सम्पन्न

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान स्टेट हज कमेटी जयपुर की ओर से चूरू जिला मुख्यालय स्थित मदीना मस्जिद के पास तेलियान बाडी में चुरू जिले से हज यात्रा पर सऊदी अरब जाने वाले हाजियों के लिए हज प्रशिक्षण एवं हज टीकाकरण शिविर सीएमएचओ चूरू डॉ. मनोज शर्मा के निर्देशन में तथा शिविर नोडल प्रभारी एवं एडिशनल सीएमएचओ डॉ. अहसान गौरी सानिध्य में आयोजन किया गया। हज प्रशिक्षण एंव टीकाकरण शिविर में नोडल प्रभारी एवं एडिशनल सीएमएचओ डॉ. अहसान गौरी, पूर्व अधीक्षक डॉ. एफ.एच. गौरी, प्रोफेसर डॉ. शमशाद अली, हज प्रशिक्षक हाजी युसुफ खां चौहान, हाजी फखरूद्दीन छीम्पा इत्यादि मंचासीन थे। इस अवसर पर हज प्रशिक्षण एवं हज टीकाकरण शिविर में विगत 20 वर्षों से उत्कृष्ट एवं उल्लेखनीय सेवाएं प्रदान करने पर हाजी युसुफ खां चौहान, हाजी फखरूद्दीन छीम्पा, हाजी मोईनुद्दीन खान मोयल, हाजी रसीद खां मोयल, हाजी मास्टर शमशाद भाटी, हाजी नियामत अली कुरैशी, मास्टर मुख्यियार, डीएमडब्ल्यूओं नगेन्द्र सिंह राठौड़ इत्यादि का एडिशनल सीएमएचओ डॉ. अहसान गौरी द्वारा प्रतिक चिन्ह प्रदान कर अभिनंदन किया गया। इस वर्ष चूरू जिले से 64 हज यात्री हज यात्रा पर मक्का जा रहे है हज प्रशिक्षण शिविर को राजस्थान हज कमेटी के ट्रैनर हाजी युसुफ खान चौहान, हाजी फखरूद्दीन छिम्पा, मोलाना अनिस रजा, खाद्दिम-उल-हुज्जाज सलीमुद्दीन खान एवं इमरान सरकेल ने संयुक्त रूप से हज प्रशिक्षण दिया। इस अवसर पर चूरू से हज यात्रा पर सऊदी अरब जाने वाले हाजियों ने कहा कि वो मक्का की पवित्र सर ज़मीन से मुल्क में अमन और खुशहाली के लिए दुआ करेंगे।

हज टीकाकरण शिविर में अतिरिक्त मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी चूरू डॉ. अहसान गौरी, चिकित्सा अधिकारी डॉ. अब्बास कच्छावा, चिकित्सा अधिकारी डॉ. तरन्नुम बानों, रसीद खान मोयल, इसब खॉ, तौफीक हुसैन, सुलेमान खान, विजय भाकर, महेश, जावेद सौंलकी, दीपक इत्यादि चिकित्सा विभाग के अधिकारी एंव कर्मचारीगणों ने हज टीकाकरण शिविर में अपना सहयोग प्रदान किया। हज टीकाकरण शिविर में हाजियों के सीजनल एन्फ्लूनजा, एंव मैनिनगोकोकल मैनिनजाइटिस व पोलियों इत्यादि के टीके लगाएं गये। टीकाकरण पश्चात हाजियों को " अन्तर्राष्ट्रीय प्रमाण पत्र सील सहित हस्ताक्षर कर जारी किये गयें। हज प्रशिक्षण एंव टीकाकरण शिविर में, सिराज खां जाईयां, अयूबखान गोड, मोईनुद्दीन खान मोयल, रसीद खान मोयल, मास्टर शमशाद भाटी, युनुस खान, शफीक खान चौहान, मोहम्मद रफीक खान, सलिम खान, आसिफ छीम्पा, मोहम्मद आरिफ छीम्पा, रफीक छीम्पा, याकूब छीम्पा, जाकिर छीम्पा, रेहान छीम्पा सहित बड़ी संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन एडवोकेट सद्दाम हुसैन ने किया, राजस्थान हज कमेटी के हज प्रशिक्षक हाजी युसूफ खान चौहान की ओर से सभी का आभार व्यक्त किया गया।

करोड़ों बस्तियां उजड़ी - उजड़ कर बस गई तुझ में तेरी विरानी नहीं जातीं शहर-ए-ख़ामोशा

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर पूरानी कब्रिस्तान में चल रहे सफाई अभियान जो डॉ. एफ एच गोरी सीनियर फिजिशियन की प्रेरणा से एवं देखरेख में चल रहा है। जिसे आज पुरानी कब्रिस्तान जाकर, इंटेलेक्चुअल मुस्लिम सोसाइटी मेंबर्स द्वारा देखा और अवलोकन किया गया, सभी ने यही कहा कि "तबियत खुश हो गई" और कहां की कब्रिस्तान की साफ सफाई और रखरखाव बेहतरीन तरीके से हुआ है सभी ने सराहा कुछ रोज पहले शहर इमाम सैयद मोहम्मद अनवार नदीम उल कादरी ने भी कब्रिस्तान का अवलोकन किया था एवं डॉ. गौरी और इमाम साहब ने मुस्लिम समाज से अपील भी की और सहयोग भी किया। आज इस मौके पर नायब शहर इमाम सैयद मोहम्मद अबरार अहमद क़ादरी एवं शहर काजी मौलाना अहमद अली शाह मौजूद रहे और कहा कब्रिस्तान शहर-ए-खामोशा है। जो हर मोमिन की आखरी आराम-गाह है। इसलिए हर मोमिन को चाहिए कि जब वक़्त मिले तो कब्रिस्तान जरूर जाएं, और वहां जाकर साफ-सफाई करें और अपने मुताअल्लिकीन मरहूमीन और तमाम मोमिनीन- मोमिनात मरहूमीन के लिए मगफिरत और जन्नत में बुलंद दरजात के लिए दुआ करें। कब्रिस्तान जाने से इंसान को अपनी आखरत और अपनी मौत याद आती है। इसी लिए हदीस शरीफ में कब्रिस्तान जाने का हुक्म फ़रमाया गया है। इंटेलेक्चुअल मुस्लिम सोसायटी के अध्यक्ष शौकत खान झारिया रिटायर्ड. एडिशनल कमिश्नर, अयूब खान रिटायर्ड एडिशनल एसपी, हाजी याकूब थीम समाज सेवी, रशिद खान मोयल शिक्षाविद्, रिटायर्ड प्रिंसिपल नजीर खान, उस्मान अंसारी, आरिफ काजी, हारून रशीद लुहार आदि मौजूद रहे। खान ने कहा अभी जो पुरानी कब्रिस्तान में साफ-सफाई और रख-रखाव की मुहिम जारी है, यह बहुत ही काबिल-ए-तारीफ़ मुहिम है। लिहाज़ा कब्रिस्तान में जाके इस मुहिम में जरूर हिस्सा लें।

अमरूदीन किरवाला को जिला कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता बनाने पर नाजिमें आला ने स्वागत किया

सांचौर (रॉयल पत्रिका) । राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी अन्य पिछड़ा वर्ग विभाग के चेयरमैन हरसहाय यादव के निर्देशानुसार जिला कांग्रेस कमेटी जालौर अन्य पिछड़ा वर्ग विभाग की कार्यकारणी घोषित। उपखंड मुख्यालय से मात्र 7 किमी दूर स्थित अल मशहूर दरगाह हजरत मख्दूम पीर डाडा अब्बनशाह के दरबार में हाजिरी दी। दारुल उलूम फैजे सरवरी उच्च प्राथमिक विद्यालय पीर की जाल के नाजिमें आला नबी बक्स सरवरी ने स्वागत किया। अमरूदीन किरवाला ने कहा कि कांग्रेस सरकार हमेशा ओबीसी पिछड़े वर्ग का ख्याल रखा है और कहा कि पार्टी को मजबूत बनाने एवं हर वर्ग को साथ लेकर चलने वाली कांग्रेस पार्टी के साथ रहने का आह्वान किया। मास्टर हुसैन खान ने भी मुंह मीठा करवा कर खुशी व्यक्त की।

नशा मुक्त चूरू अभियान को साकार कर रहा प्रदेश सरकार से अनुदानित जिला मुख्यालय पर संचालित शिवम् नशामुक्ति केन्द्र

- बेहतरीन प्रबंधन के साथ विशेषज्ञ सेवाएं, अब तक 91 लोगों को नशे से मिली निजात

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश सरकार राजस्थान को नशामुक्त प्रदेश बनाने के लिए संकल्पित प्रयास कर रही है। इन्हीं प्रयासों के क्रम में जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा के निर्देशन में चूरू जिले को नशामुक्त बनाने के लिए 'नशामुक्त चूरू अभियान' चलाया जा रहा है। नशामुक्त चूरू अभियान को साकार करने की दिशा में प्रदेश सरकार से अनुदानित व जिला मुख्यालय पर एलएन मेमोरियल चेरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में संचालित शिवम् नशामुक्ति केन्द्र बेहतरीन प्रयास कर रहा है। केन्द्र में सुव्यवस्थित प्रबंधन, सकारात्मक वातावरण एवं निरंतर निगरानी के चलते अब तक 91 व्यक्तियों को नशे की गिरफ्त से मुक्त कर समाज की मुख्यधारा से जोड़ा जा चुका है।

प्रदेश सरकार कर रही सहायता:-

नशा मुक्ति अभियान में प्रदेश सरकार द्वारा सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के माध्यम से नशामुक्ति केन्द्रों को अनुदान दिया जा रहा है। शिवम् नशामुक्ति केन्द्र को प्रदेश सरकार की ओर से आवश्यक इन्फ्रा व मूलभूत सुविधाएं विकसित करने के लिए 03 लाख 20 हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की गई है तथा केन्द्र पर आने वाले मरीजों की देखभाल हेतु प्रति व्यक्ति प्रतिदिन 120 रुपये की सहायता दी जा रही है।

बेहतरीन प्रबंधन के साथ विशेषज्ञ सेवाएं केन्द्र पर चिकित्सा सुविधा, योग व ध्यान, शारीरिक व्यायाम, रहने व भोजन सहित बेहतरीन प्रबंधित सुविधाओं के साथ विशेषज्ञ चिकित्सकों एवं प्रशिक्षित काउंसलर्स की सेवाओं के माध्यम से नशे की लत से ग्रसित व्यक्तियों का उपचार, परामर्श एवं पुनर्वास किया जा रहा है। नशामुक्ति केन्द्र में अनुभवी चिकित्सकों द्वारा स्वास्थ्य जांच एवं उपचार सुविधा, प्रशिक्षित काउंसलर्स द्वारा व्यक्तिगत एवं समूह परामर्श, सुरक्षित एवं स्वच्छ आवासीय व्यवस्था, संतुलित एवं पौष्टिक भोजन की व्यवस्था, योग, ध्यान एवं मानसिक स्वास्थ्य सत्र, व्यवहार सुधार एवं व्यक्तित्व विकास गतिविधियां, पुनर्वास एवं फॉलो-अप परामर्श सुविधा सहित गुणवत्तापूर्ण भोजन व आवासीय सुविधा पूर्णतया निः शुल्क उपलब्ध है। केन्द्र में महिलाओं व पुरूषों हेतु अलग-अलग शौचालय व आवास सुविधा उपलब्ध है। केन्द्र में उपचार के साथ-साथ मरीजों को मानसिक, सामाजिक एवं भावनात्मक सहयोग भी प्रदान किया जाता है, जिससे वे आत्मविश्वास के साथ नया जीवन प्रारंभ कर सकें।

उर्स में अकीदतमंदों का उमड़ा हुजूम

-बेहतरीन कल के लिए आज संघर्ष करें- फाजिल अशरफी

-हजरत चांद शाह बाबा ओर जलालुद्दीन बाबा का उर्स सम्पन

जोधपुर (रॉयल पत्रिका)। जोधपुर हर साल की तरह इस साल भी सोजती गेट स्थित हजरत चांद शाह बाबा रहमतुल्लाह अलैह और हजरत जलालुद्दीन बाबा के उर्स के मौके पर अकीदतमंदों का उमड़ा हुजूम उर्स के मौके पर सय्यद मुहम्मद फाजिल अशरफी द्वारा कहा गया कि समाज आने वाली नस्लों के भविष्य के लिए नशे को छोड़कर आज से ही बच्चों की उच्च शिक्षा के प्रबंध के लिए आगे आए तो निश्चित तौर पर आगामी समय में समाज तरक्की की राह पर बढ़ सकता है। इसके लिए हम सबको मिलजुल कर प्रयास करने की जरूरत है मौलाना साजिद हुसैन और मौलाना हाफिज जावेद कादरी ने कहा कि समाज की कमाई का बहुत बड़ा हिस्सा फिजूलखर्ची में बर्बाद हो रहा है और वह भी नशा, सट्टा, आनलाइन गेमिंग ओर फिजूल रस्मों पर इसलिए अब जरूरत है कि हम आगे बढे और समाज की मजबूती के लिए हर उन सभी चीजों का त्याग करें जिससे समाज को नुकसान होता हो अगर पीड़ित परिवारों ने नशे की लत, आंनलाइनगेम, ब्याज, सट्टा, फिजूल खर्ची आदि कुरितियां छोड़ दी तो निश्चित तौर पर आने वाली नस्ल मजबूती की ओर बढ़ेगी। सय्यद फाजिल अशरफी ने देश में अमन-चौन और समाज की तरक्की के लिए दुआं की मंच संचालन मास्टर हसनैन ने किया कार्यक्रम संयोजक साजिद खान ने प्रोग्राम में आए सभी अकीदतमंदों का शुक्रिया अदा किया। आसिफ नुरी ने बताया कि उर्स की शुरुआत तिलावत-ए-कुरान से हुई और सलातो सलाम के बाद कूल की रस्म अदा कर लंगर वितरित किया गया। मोहम्मद फुरकान ओर इश्तियाक अत्तारी ने बताया कि इस मौके पर मौलाना हाफिज जावेद, मुफ्ती मोहम्मद हुसैन, मौलाना अब्दुल माजीद, इंसाफ अली भाईजान, आसिफ नुरी, मोहम्मद जावेद, सैयद मौलाना जलालुद्दीन, मौलाना अली, मौलाना मोहसिन रजा, कारी अत्ताउर रहमान, मौलाना सद्दाम, मास्टर हसनैन अशरफी, खालिद खलीफा, शाहरुख खान, मोहम्मद फुरकान, मसरूर खान, साजिद खान, एडवोकेट खालिद आदि उपस्थित थे।

मोहम्मद अली पठान पत्रकार को मातृ शोक

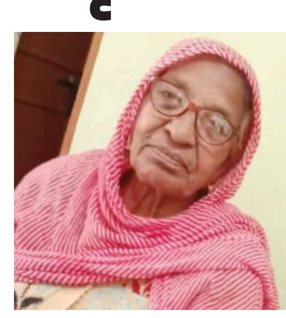

चूरू (रॉयल पत्रिका) । रॉयल पत्रिका समाचार पत्र के चूरू के ब्यूरो चीफ मोहम्मद अली पठान की माताजी का बरोज़ शनिवार 14 फरवरी, 2026 को सुबह इंतक़ाल हो गया । उनके जनाजे में सैंकड़ों की संख्या में सर्व समाज के लोगों ने हिस्सा लिया। उनका जनाजा बाद नमाज मगरिब नई कब्रिस्तान सैयदना तौकीर हसन में सुपुर्द-ए-ख़ाक किया गया । उनकी माताजी की उम्र 80 वर्ष के लगभग थी। आप पीछे पोता, पोती, पड़पोता, पोती, भरा-पूरा परिवार छोड़ गईं हैं। उनके सेम की फातिहा रविवार 15 फरवरी, 2026 को सुबह 10: 00 बजे उनके निवास स्थान- कृषि उपज मंडी के पीछे, तुगलक नगर से आगे फैजाने-रसूल मस्जिद के पीछे, वार्ड संख्या 4 चूरू में हुई। जिसमें शहर की सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधि एवं राजनीति नेताओं सहित काफी संख्या में गणमान्यजन उपस्थित रहे एवं पिआरओ एवं पिआरओ ऑफिस स्टॉप सहित पत्रकार मौजूद रहे और श्रद्धांजलि अर्पित की शोक संतप्त परिवार के प्रति क्षेत्रवासियों ने गहरी संवेदना व्यक्त की है।

गीतांजली डेंटल एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट में एडवांस्ड ज़ायगोमैटिक इम्प्लांटोलॉजी प्रोग्राम का सफल समापन

-प्रतिभागियों ने प्राप्त किया अत्याधुनिक प्रशिक्षण

उदयपुर (रॉयल पत्रिका)। गीतांजली डेंटल एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट, उदयपुर के प्रोस्थोडॉन्टिक्स विभाग द्वारा आयोजित "एडवांस्ड ज़ायगोमैटिक इम्प्लांटोलॉजी एंड इमीडिएट इम्प्लांट" विषय पर दो दिवसीय लाइव सर्जरी एवं हैंड्स-ऑन प्रशिक्षण कार्यक्रम का रविवार को सफलतापूर्वक समापन हुआ। 14 एवं 15 फरवरी 2026 को आयोजित इस विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम के द्वितीय दिवस पर प्रतिभागियों को लाइव सर्जरी, व्यावहारिक प्रशिक्षण तथा उन्नत इम्प्लांट तकनीकों का प्रत्यक्ष अनुभव प्रदान किया गया।

कार्यक्रम में देशभर से आए 350 प्रोस्थोडॉन्टिस्ट, ओरल एवं मैक्सिलोफेशियल सर्जन, फैकल्टी मेम्बर्स, पीजी एवं यूजी विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। द्वितीय दिवस पर हैंड्स-ऑन सत्र के माध्यम से प्रतिभागियों को ज़ायगोमैटिक इम्प्लांट प्लेसमेंट, इमीडिएट लोडिंग प्रोटोकॉल, ऐटेरिगॉइड इम्प्लांट्स तथा जटिल क्लिनिकल परिस्थितियों में सटीक उपचार योजना बनाने की व्यावहारिक जानकारी प्रदान की गई।

जयपुर से आए वरिष्ठ मैक्सिलोफेशियल सर्जन एवं इम्प्लांटोलॉजिस्ट डॉ. संकल्प मित्तल, राजकीय दंत महाविद्यालय एवं चिकित्सालय, जयपुर ने प्रतिभागियों को ज़ायगोमैटिक इम्प्लांटोलॉजी की नवीनतम सर्जिकल तकनीकों, जटिल केस मैनेजमेंट तथा सफल उपचार परिणामों के लिए आवश्यक वैज्ञानिक सिद्धांतों की विस्तृत जानकारी दी। लाइव सर्जरी डेमोंस्ट्रेशन के दौरान प्रतिभागियों ने विशेषज्ञों से सीधे संवाद कर अपनी शंकाओं का समाधान भी प्राप्त किया। प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष डॉ. ज्योति कुंडू ने इम्प्लांट प्रॉस्थेसिस के रिहैबिलिटेशन पर विशेष व्याख्यान प्रस्तुत किया, जिसमें इम्प्लांट के पश्चात् कार्यात्मक एवं एस्थेटिक पुनर्स्थापन की आधुनिक तकनीकों, डिजिटल प्लानिंग तथा दीर्घकालिक सफलता के लिए आवश्यक प्रोटोकॉल पर प्रकाश डाला। उन्होंने जटिल क्लिनिकल केसों के सफल उपचार के अपने अनुभव साझा करते हुए प्रतिभागियों को वैज्ञानिक एवं व्यावहारिक दृष्टिकोण से समृद्ध किया। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि गीतांजली ग्रुप के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर अंकित अग्रवाल उपस्थित रहे। आयोजन समिति के चेयरमैन डॉ. बालाजी मनोहर एवं सचिव डॉ. ज्योति कुंडू ने गीतांजली हॉस्पिटल, उदयपुर के सीईओ ऋषि कपूर, गीतांजली ग्रुप, डॉक्टर्स एवं समस्त प्रशासन का कार्यक्रम की सफलता में सहयोग हेतु आभार व्यक्त किया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम आधुनिक इम्प्लांट डेंटिस्ट्री के क्षेत्र में नवीनतम तकनीकों के प्रसार एवं चिकित्सकों के कौशल विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित हुआ। कार्यक्रम के सफल आयोजन से गीतांजली यूनिवर्सिटी, उदयपुर ने एक बार पुनः उन्नत दंत चिकित्सा शिक्षा एवं प्रशिक्षण के क्षेत्र में अपनी अग्रणी भूमिका को सुदृढ़ किया।

शिक्षाविद् कमरुद्दीन खां रुकन खानी को किया सुपुर्द-ए-ख़ाक

-कायमखानी कौम के मजबूत स्तंभ का निधन

-नई कब्रिस्तान सैयदना तौकीर हसन में नम आंखों से दी अंतिम विदाई

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका) । शिक्षाविद कमरुद्दीन खां रूकन खानी का निधन हो गया। वह काफी समय से बीमार चल रहे थे। आप की उम्र लगभग 75 वर्ष की थी। आप कायमखानी कौम के मजबूत स्तंभ थे। आपने शिक्षा के साथ-साथ समाज में भी शिक्षा की अलख-जगाई और समाज सेवा की आप मुस्लिम समाज को एक साथ लेकर चलने वाली शख्सियत थे। आपके निधन की खबर सुनकर शहर एवं समाज ने गहरा दुख प्रकट किया। उनका जनाज़ा नई कब्रिस्तान सैयदना तौकीर हसन में सुपुर्द-ए-ख़ाक किया गया। नमाज-ए-जोहर के बाद सैकड़ों की संख्या में सर्व समाज के लोगों की मौजूदगी में उन्हें अंतिम विदाई दी गई। जनाज़े में क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों सहित बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। स्वर्गीय अपने पीछे भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं। आपका जनाजा अपने निजी निवास मदीना मुसाफिरखाना आथुना मोहल्ला से उठाया गया जिसमें शहर की सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधि एवं राजनीति नेताओं सहित काफी संख्या में गणमान्यजन उपस्थित रहे। और श्रद्धांजलि अर्पित की शोक संतप्त परिवार के प्रति क्षेत्रवासियों ने गहरी संवेदना व्यक्त की है।

जयपुर में कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं से मिले रफ़ीक मंडेलिया

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी उपाध्यक्ष रफ़ीक मंडेलिया ने जयपुर में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं से मिले। चूरू जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष जमील चौहान ने बताया कि दो दिवसीय कार्यक्रम के दौरान कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व प्रदेश कांग्रेस कमेटी उपाध्यक्ष रफ़ीक मंडेलिया ने रविवार को प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वाररुम जयपुर पर राजस्थान प्रदेश कांग्रेस संगठन प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा व प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा से मुलाक़ात कर संगठन पर चर्चा कर अवगत करवाया और चूरू जिला मुख्यालय पर आयोजित अनेक पार्टी कार्यक्रमों की जानकारी दी। चौहान ने बताया कि इस अवसर पर चूरू जिले के अनेक पार्टी नेता ने मंडेलिया के साथ, वरिष्ठ नेताओं को पंचायत और निकायों चुनाव के सम्बन्ध में फीडबैक भी दिया।

आवश्यकता

जयपुर से प्रकाशित होने वाले अख़बार "रॉयल पत्रिका" को सीकर, झुंझुनूं के लिए रिपोर्टर की आवश्यकता है। वेतन योग्यतानुसार। संपर्क करें - 8058969180/9799559096

सच, सत्ता और समाज की सामूहिक ज़िम्मेदारी

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। हालिया चर्चित अंतरराष्ट्रीय प्रकरणों ने यह सवाल खड़ा किया है कि क्या सच हमेशा सामने आ पाता है, या फिर दबाव में उसे दबा दिया जाता है। यह प्रश्न केवल किसी एक देश या घटना तक सीमित नहीं है, बल्कि लोकतंत्र की बुनियादी सोच से जुड़ा हुआ है। लोकतंत्र में सच की भूमिका सबसे अहम होती है। जब भी किसी बड़े और संवेदनशील मामले में प्रभावशाली लोगों के नाम सामने आते हैं, तो समाज के सामने परीक्षा की घड़ी होती है। एक ओर तथ्यों की निष्पक्ष जाँच की आवश्यकता होती है, तो दूसरी ओर सत्ता, प्रभाव और दबाव की आशंकाएँ भी जन्म लेती हैं। ऐसे समय में जल्दबाज़ी में निष्कर्ष निकालना भी उतना ही नुकसानदेह है, जितना चुप्पी साध लेना। यह स्वीकार करना होगा कि न्याय व्यवस्था तथ्यों और प्रमाणों पर आधारित होती है, न कि भावनाओं पर। लेकिन साथ ही यह भी उतना ही ज़रूरी है कि जाँच की प्रक्रिया स्वतंत्र, पारदर्शी और दबाव-मुक्त हो। यदि समाज सवाल पूछना छोड़ दे, तो लोकतांत्रिक संस्थाएँ धीरे-धीरे कमजोर होने लगती हैं। मीडिया की भूमिका भी यहाँ बेहद महत्वपूर्ण हो जाती है। मीडिया का दायित्व है कि वह न तो अफवाहों को बढ़ावा दे और न ही किसी दबाव में सच से समझौता करे। नागरिकों का भी यह कर्तव्य है कि वे जागरूक रहें, तथ्यों को समझें और जिम्मेदार विमर्श को आगे बढ़ाएँ। इतिहास बताता है कि सच को कुछ समय के लिए रोका जा सकता है, लेकिन पूरी तरह दबाया नहीं जा सकता। दस्तावेज़, गवाह और समय — अंततः सच्चाई की ओर ही इशारा करते हैं। आवश्यकता इस बात की है कि हम धैर्य, संतुलन और लोकतांत्रिक मूल्यों के साथ सच की तलाश को जारी रखें। यही एक स्वस्थ और मजबूत समाज की पहचान है।

-डॉ. मोहम्मद शोएब
(प्रदेश सचिव, राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी)

उमराह पैकेज बुक कराने से पहले सावधानियाँ

पिछले अंक में आपने पढ़ा कि उमराह क्या है और उमराह क्यों करना चाहिए। आज के लेख में आप पढ़ेंगे कि उमराह पैकेज बुक कराने से पहले क्या-क्या सावधानियाँ रखनी चाहिए। यह जानने से पहले आइये हम देखते हैं कि एक मुक़म्मल और साफ़ सुथरा उमराह का सफर पूरा करके अपने घर वापस आने तक किन-किन चीज़ों को मिलाकर उमराह का सफर बनता है और हर चीज़ में क्या-क्या सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

1. हवाई जहाज़
2. वीज़ा
3. होटल
4. ट्रांसपोर्ट
5. खाना
6. ज़ियारत
7. गाइड
8. लॉन्ड्री
9. ट्यूर ऑपरेटर
10. उमराह पर जाने वाले

सबसे पहले बात करते हैं हवाई जहाज़ के टिकट के बारे में, कि क्या-क्या सावधानियाँ रखनी चाहिए।

उड़ान की तारीख:
अक्सर बताया जाता है कि फलां महीने के दूसरे हफ्ते या तीसरे हफ्ते में उमराह पर चलेंगे। इसका मतलब है कि उनके पास आज की तारीख में कोई टिकट नहीं है। टिकट के ताल्लुक़ से काम पुख्ता नहीं है। फ्लाइट की रवानगी कौनसे एयरपोर्ट से है ? इसमें भी हो सकता है, बताया किसी और एयरपोर्ट से और ले गए किसी और एयरपोर्ट से। फ्लाइट टिकट पुख्ता मांगे ऐसा न हो कि बताये डायरेक्ट फ्लाइट और ले जाये रूकती-रूकाती फ्लाइट से। कहीं ऐसा न हो बताये सऊदी एयरलाइन्स और ले जाये किसी सस्ती एयरलाइन्स से। वापसी का टिकट भी पुख्ता होना चाहिए। बहुत से लोग वापसी का डमी (नकली) टिकट देकर उमराह पर ले जाते हैं और हाजी वहां जाकर परेशान होते हैं । वापसी का टिकट डमी न होकर असली टिकट होना चाहिए। कई बार लोग 1-2 घंटे का रास्ते में स्टे बताकर बुकिंग ले लेते है और जब उमराह पर ले जाते हैं तब पता चलता है कि स्टे तो 6-7 घंटे का या ज़्यादा का है।

इन सबके अलावा टिकट असली है या नकली इसका पता टिकट के ऊपर छपे PNR को सम्बंधित एयरलाइन की वेबसाइट पर जाकर ज़रूर चेक कर लें, बहुत बार ऐसा भी हुआ है कि एयरपोर्ट पर पहुँच कर पता चला कि टिकट नकली है। अगर बुकिंग करते वक़्त बुकिंग करने वाले के पास टिकट ही नहीं है तो आप ये सब चेक नहीं कर सकते और धोखेबाज़ी का शिकार हो सकते हैं। एक बात हमेशा याद रखिये कि सस्ता उमराह पैकेज कभी अच्छा नहीं होता और अच्छा उमराह पैकेज कभी सस्ता नहीं होता।

आज के लिए बस इतना ही, बाकी अगले हफ्ते इंशा अल्लाह। खुदा हाफिज !

अब्दुल हमीद मंसूरी
(8952937611)
मालिक उमराह ट्यूर ऑफ़ इंडिया

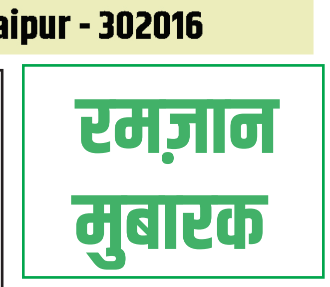

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्वाधिकारी आरपी न्यूज़ नेटवर्क प्राईवेट लिमिटेड के लिये अम्बर ऑफसेट प्राईवेट लिमिटेड, 3 A, डी.एल. टॉवर, विध्याश्रम इंस्टीट्यूशनल एरिया, जे.एल.एन. मार्ग, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय: 4312, मोहल्ला नायकान, नाहरवाड़ा, जगन्नाथ शाह का रास्ता, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। पीआरबी एक्ट के अनुसार खबरों के चयन के लिए उत्तरदायित्व संपादक मुन्ना खान मोबाइल नंबर 9772552446, 8058969180 ई-मेल:rpnewsnetworkpvt.ltd@gmail.com